आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com भोपाल, शनिवार 11 अप्रैल 2020, वैशाख कृष्ण पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-01 पृष्ठ-08 मूल्य-3.00 डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20 मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पूरी दुनिया में कोरोना फैलाने वाले ड्रैगन ने अब कई देशों को नकली मास्क बेचने का गंदा धंधा शुरू कर दिया है। इस गोरखधंधे से चीन मोटी कमाई कर रहा है। उसके द्वारा नकली मास्क की सप्लाई करने से कोरोना की चुनौती का सामना करने वाले देशों में कोरोना और तेजी से फैल रहा है। ऐसे में इस संदेह को बल मिलता है कि पूरी दुनिया को कोरोना की चपेट में लाने के लिए चीन ने गहरी चाल चली है। आधी दुनिया में लॉकडाउन और कर्फ्यू लगवाने वाले चीन को उसके इस जघन्य अपराध की सजा देने सभी देशों को एकजुट होना होगा और उसे सबक सिखाना होगा।

मंत्रिमंडल गठन प्रदेश की जरुरत , स्वास्थ , गृह , स्थानीय प्रशासन , खाद्य एवं कृषि मंत्रियों के सक्रियता की सर्वाधिक आवश्यकता !

संकट में मध्य प्रदेश, मोर्चे पर अकेले शिवराज ?

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मध्य प्रदेश इस वक्त देश का अकेला ऐसा राज्य है जो बिना स्वास्थ्य मंत्री के कोरोना वायरस की जंग लड़ रहा है. लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अकेले ही दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारी से मोर्चा लड़ा रहे हैं. हालात यह हैं कि 8 अप्रैल तक कोविड-19 संक्रमित मरीजों की संख्या 341 थी, जो एक दिन बाद 411 तक जा पहुंची है. मरीज दिनों-दिन बढ़ रहे हैं. मध्य प्रदेश में स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिसकर्मियों पर हमले हो रहे हैं, खादय सुरक्षा की स्थिति गंभीर होती जा रही है, लेकिन इन्हें संभालने वाले हैं सिर्फ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान. मध्य प्रदेश भले ही पिछले कुछ सालों से विज्ञापनों में खुद को बेहतर राज्य होने का दावा करता रहा हो, पर जमीनी हालात कुछ और ही कहानी कहते हैं. बीच के डेढ़ साल एमपी में कांग्रेस का राज भुला भी दिया जाए तो बीते 15 सालों और उसके पीछे के पांच दशकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विकास किसी को दिखाने लायक नहीं है. हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक लगभग सवा सात करोड़ की आबादी पर

43000 लोगों पर एक आईसीयू है. 70000 आदमी पर एक वेंटीलेटर है. 2340 आदमी पर सामान्य हॉस्पिटल बेड है. और अब जबकि राज्य में कोविड की रोकथाम के लिए आइसोलेशन सबसे महत्वपूर्ण हो गया है, तब राज्य में हर 7000 आदमी पर एक आइसोलेशन बेड है. शिवराज सिंह चौहान के फुटवर्क में कोई कमी नहीं है. उन्हें तो कहा ही पांव-पांव वाले भैया जाता है, लेकिन दिक्कत यह है कि कोविड-19 वायरस ने जो जहां है, उसे वहीं रहने पर मजबूर कर दिया है. ऐसे में जबकि मध्य प्रदेश में टॉप आफिसर्स ही कोविड-19 की चपेट में हैं, वहां पर मुख्यमंत्री खुद भी मोर्चे पर जाकर सीधी लड़ाई नहीं लड़ सकते हैं. प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 1236 विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद स्वीकृत हैं, केवल 248 विशेषज्ञ डॉक्टर ही काम कर रहे हैं. यह एक बहुत बड़ा गैप है. तकरीबन 988 पद खाली पड़े हुए हैं. तकरीबन 1316 नर्सिंग स्टाफ के पद खाली हैं. यह तो मानव संसाधनों की बात है. दवाएं और अन्य जांचों के मामलों में भी हालात खराब हैं. यही स्वास्थ्य तंत्र अपनी छह लैबों के माध्यम से हर दिन 500 टेस्ट करने का दावा कर रहा है. इनमें से तीन लैब अकेले भोपाल में केन्द्रित हैं. एक इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में है. इसलिए टेस्टिंग की गति भी धीमी है, क्योंकि सैंपल लाने से लेकर उसे जांचने और रिपोर्ट भेजने में वक्त लग रहा है. सवा सात करोड़ की आबादी वाले एमपी में अब तक महज 5135 टेस्ट ही करवाए गए हैं. हालांकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान टेस्टिंग क्षमता को प्रति दिन एक हजार तक लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन कब तक, यह नहीं बताया है.तो क्या यह एक स्वास्थ्य तंत्र की ही लड़ाई भर है या इसमें राजनैतिक नेतृत्व भी मायने रखता है. बिल्कुल रखता है. ऐसे समय *शेष पृष्ठ 7 पर*

खास खबर

20 हजार से ज्यादा विदेशी नागरिकों को उनके देश पहुंचाया

नई दिल्ली ए.। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण पूरे देश में 21 दिनों का लॉकडाउन है। इस वजह से भारत में फंसे विदेशी नागरिकों को भी काफी परेशानी हो रही थी। विदेश मंत्रालय ने गृह मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ मिलकर कल यानी शुक्रवार तक 20 हजार से अधिक विदेशी नागरिकों का रेसक्यू किया। आज विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक सरकार ने 20473 विदेशी नागरिकों का रेस्क्यू किया है। ये अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय, राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी विभागों ने इस काम में सहयोग किया।

विश्व में 95745 लोगों की कोरोना से मौत

बीजिंग/ जेनेवा/ नई दिल्ली । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और दुनिभर में अब तक इससे 95745 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 16.03 लाख लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 3.56 लाख लोग इससे ठीक हुए हैं। भारत में भी यह संक्रमण तेजी से पैर पसार रहा है।

मुख्यमंत्री ने की कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा

कोरोना मरीजों को बचाने के लिए करें हर संभव प्रयास : मुख्यमंत्री

नवप्रदेश संवादाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना से संक्रमित प्रत्येक मरीज को बचाने के हर संभव प्रयास किये जाएं। बचाने की रणनीति पर गहनता से कार्य करें। प्रदेश के सभी संक्रमित क्षेत्रों को पूरी तरह सील कर दिया गया है। इसका कड़ाई से पालन हो, जिससे कोरोना संक्रमण अन्य क्षेत्रों में नहीं फैले। इस कार्य में विशेष सतर्कता बरती जाए। प्रदेश में किसी भी स्थान पर कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए, सबके लिए खाद्यान्न एवं भोजन की व्यवस्था हो। चौहान मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान सहित सभी संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने निर्देश दिए कि कोरोना संबंधी कार्य में समाजसेवी संगठनों, जन-प्रतिनिधियों , धर्मगुरुओं आदि सभी का सहयोग लिया जाए। ये सभी प्रशासन के कार्य में सहयोग करेंगे। *शेष पृष्ठ 7 पर*

उपलब्ध है पर्याप्त चिकित्सा सामग्री

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संबंधी पर्याप्त चिकित्सा सामग्री उपलब्ध है। प्रदेश में 7 टेस्टिंग लैब कार्य कर रहे हैं, जिनमें 1000 से अधिक प्रतिदिन टेस्ट की क्षमता है। अगले सप्ताह तक यह 1200 प्रतिदिन पहुंच जाएगी। वितरण उपरांत भोपाल स्टोर में उपलब्ध टेस्टिंग किट्स की संख्या 6000, पीपीई किट्स की संख्या 3280, एन-95 मास्क की संख्या 9500 तथा थ्री-लेयर मास्क की संख्या 97000 है।

सौदा पत्र एवं स्टार एग्री बाजार से भी खरीदी

प्रदेश में आगामी 15 अप्रैल से रबी उपार्जन के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके अंतर्गत किसानों को एसएमएस के माध्यम से तिथि एवं समय की सूचना दी जाएगी। तब वे मंडी में आकर अपनी फसल बेच सकेंगे। इसके अलावा, व्यापारी सीधे किसानों से संपर्क कर उनकी फसलें समर्थन मूल्य पर खरीद सकेंगे। मंडी अधिनियम में सौदा पत्रक प्रावधान के अंतर्गत व्यापारी सीधे भी किसानों की फसलें खरीद सकेंगे।

कोरोना को परास्त करने में प्रशासन को सहयोग करें

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेशवासियों से अपील

नवप्रदेश संवादाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि कोरोना संक्रमण के दौरान प्रभावशील टोटल लॉकडाउन में घर से ना निकलें और प्रशासन को सहयोग करें। श्री चौहान ने कहा है कि हम सब मिलकर कोरोना से जंग लड़ रहे हैं। हमारे कोरोना योद्धा जान हथेली पर रखकर आपकी सेवा में जुटे हुए हैं। श्री चौहान ने कहा कि पूरे मध्यप्रदेश में हमने कुछ शहरों को सील किया है तथा जहाँ कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए गए थे, उन हॉटस्पॉट क्षेत्रों को सील करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपेक्षा की है कि आपमें से किसी को भी यदि कोरोना के लक्षण पाए जाते हैं, तो *शेष पृष्ठ 7 पर*

आज कष्ट सह लेंगे, तो कल कोरोना को परास्त कर बाहर निकलेंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि मैं जानता हूं कई जरूरी चीजों की कमी के कारण आपको परेशानी हो सकती है। प्रशासन आवश्यक चीजों को आप तक पहुंचाने का पूरा प्रयास कर रहा है। फिर भी आपको कष्ट तो हो ही रहा है। इस कष्ट के लिए मैं आपसे माफी मांगता हूं। श्री चौहान ने कहा कि आज अगर हम कष्ट सह लेंगे, तो कल कोरोना की इस बीमारी को परास्त कर बाहर निकलेंगे, तब मैं आपको मना लूंगा परंतु यदि बाहर निकलेंगे तो हो सकता है माफी मांगने व माफ करने के लिए रहे ही नहीं।

नेपाल के रास्ते भारत में कोरोना वायरस फैलाने की साजिश

डीएम ने कहा- 40-50 लोग सीमा में घुसे

पटना ए.। भारत ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है, लेकिन देश के दुश्मन नहीं चाहते कि इस बीमारी का कहर देश में थमे। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) से मिले इनपुट्स के आधार पर पश्चिम चंपारण के डीएम कुंदन कुमार ने जिले के एसपी को पत्र लिखकर अलर्ट किया है कि नेपाल से एक समुदाय विशेष के करीब 40-50 संदिग्ध लोगों भारतीय सीमा में कोरोना वायरस फैलाने के मंसूबे से घुसे हैं।

दरअसल, 3 अप्रैल को एसएसबी ने पश्चिम चंपारण के डीएम को गोपनीय पत्र भेजकर सूचित किया था कि नेपाल के पारस जिले का एक शख्स जालिम मुखिया भारत में कोरोना वायरस फैलाने की साजिश रच रहा है। यह शख्त भारत में अवैध हथियारों की तस्करी में भी शामिल है। डीएम कुंदन कुमार ने एसपी को पत्र

लिखकर अलर्ट किया है कि नेपाल के पारसा जिले के सेरवा थाने के जानकी टोला पोस्ट ऑफिस के तहत जगनाथपुर गांव का रहने वाला जालिम मुखिया भारत में कोरोना महामारी फैलाने की योजना बना रहा है। डीएम ने अपने पत्र में आगाह करते हुए लिखा है कि 40 से 50 समुदाय विशेष के भारतीय नागरिकों के भारत आने की सूचना है। उन्होंने एसपी से अनुरोध किया है कि भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बरती जाए और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कड़ाई से निगरानी की जाए।

पंजाब में 30 अप्रैल तक लॉकडाउन

चंडीगढ़ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) को फैलने से रोकने के लिए पंजाब में भी लॉकडाउन और कर्फ्यू की अवधि बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई है। राज्य के स्पेशल चीफ सेक्रेटरी के.बी.एस. सिधु ने शुक्रवार (10 अप्रैल) को यह जानकारी दी। इसके साथ ही ओडिशा के बाद पंजाब ऐसा दूसरा राज्य बन गया है, जहां लॉकडाउन को बढ़ाकर 30 अप्रैल तक कर दिया गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने पहले ही राज्य में लॉकडाउन बढ़ाने का संकेत देते हुए कहा था कि उनकी सरकार इसे बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है क्योंकि पाबंदियां हटाने के लिए यह उपयुक्त समय नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ केंद्र की ओर से राज्यों के लिए तय 15 हजार करोड़ रुपए का पैकेज नाकाफी है और ऐसे में मोदी सरकार को प्रदेश सरकारों को पर्याप्त वित्तीय मदद देनी चाहिए। पंजाब में 10 अप्रैल सुबह कोरोना का दो नए मामले सामने आने के साथ कुल मामलों की संख्या 132 हो गई है।

किसानों को लॉकडाउन में ढील

मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने बताया कि 15 अप्रैल से किसानों को फसलों की कटाई के लिए लॉकडाउन में ढील दी जाएगी और इसमें सामाजिक दूरी का ध्यान रखा जाएगा। सिंह ने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा हमने पहले लॉकडाउन किया और बाद में कर्फ्यू लगाया। फिर लोगों तक जरूरी वस्तुओं को पहुंचाने की व्यवस्था की। हमारे लोग हर मोहल्ले में पहुंचकर जरूरी वस्तुएं मुहैया करा रहे हैं।

पीएमओ ने कोरोना महामारी से निपटने के तरीकों की समीक्षा की

नयी दिल्ली,। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कोरोना महामारी से निपटने के प्रयासों की शुक्रवार को समीक्षा की और कहा कि देश भर में समय पर संबंधित सूचनाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में संवाद के जरिए अंतिम आदमी तक पहुंचने पर जोर दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार कोरोना महामारी के फैलाव के परिणाम स्वरूप उभर रही चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकारियों के उच्चाधिकार प्राप्त समूहों की एक बैठक प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस महामारी के प्रतिकूल प्रभावों का सामना करने के लिए मौजूदा समय में जारी प्रयासों पर करीबी नजर रखने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय की विभिन्न स्तरों पर समय-समय पर आयोजित की जाने वाली *शेष पृष्ठ 7 पर*

जमातियों पर एफआईआर, क्वारैंटाइन पीरियड पूरा होने पर गिरफ्तार होंगे

भोपाल में 64 विदेशी, देश के अन्य प्रदेशों के 10 जमाती और इनका स्थानीय स्तर पर सहयोग करने वाले 13 लोगों की पहचान हुई

नवप्रदेश संवादाता

भोपाल। राजधानी में कोरोनावायरस का संक्रमण फैलाए जाने का जिम्मेदार बताए जा रहे निजामुद्दीन की मरकज से आए जमातियों पर सरकार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। क्वारैंटाइन पीरियड पूरा होते ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ऐसे लोगों की संख्या 87 बताई गई है। इन जमातियों को इस्लाम नगर स्थित ईटखेड़ी, हज हाउस समेत शहर की विभिन्न मस्जिदों में क्वारैंटाइन किया गया है। प्रदेशभर में पकड़े गए जमातियों पर कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना से दुनिया 1930 की महामंदी के बाद देखेगी सबसे खराब आर्थिक संकट

170 देशों में घटेगी प्रति व्यक्ति आय : आईएमएफ

नई दिल्ली ए.। दुनियाभर के देश कोरोना वायरस के प्रकोप से घिरे हुए हैं। इस बीच अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जार्वीवा ने कहा है कि 1930 की महामंदी के बाद से दुनिया को सबसे खराब आर्थिक गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक विकास 2020 में तेजी से नकारात्मक हो जाएगा और 170 से अधिक देशों में इस वर्ष प्रति व्यक्ति आय वृद्धि नकारात्मक होगी। आईएमएफ प्रमुख ने कहा, हालांकि यह पहले से ही स्पष्ट है कि वैश्विक विकास 2020 में *शेष पृष्ठ 7 पर*

2020 में आएगी जोरदार गिरावट

क्रिस्टलीना जार्वीवा ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि कोरोना के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था में 1930 की महामंदी के बाद की सबसे बड़ी गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस संकट की अवधि को लेकर असाधारण रूप से अनिश्चित है, लेकिन यह पहले ही साफ हो चुका है कि 2020 में वैश्विक वृद्धि दर में जोरदार गिरावट आएगी।

गरीबों के लिए भयानक चुनौती

आईएमएफप्रमुख ने कहा कि कई घनी आबादी वाले शहर और गरीबी से जूझ रहे झुग्गियों में रहने वाले लोग वायरस से लड़ने की भयानक चुनौती का सामना कर रहे हैं। कोरोना महामारी के बीच पनपे संकट पर हाल ही में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के प्रमुख रॉबर्टो एजेवेदो ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि दुनिया साल 20088-09 से भी बड़ी मंदी देख सकती है। उन्होंने अनुमान जताया है कि विश्व व्यापार में एक तिहाई तक की कमी आ सकती है।

गरमा-गरम

उम्मीद पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 678 नए मामले, कुल केस 6,412, अब तक 199 मौत: स्वास्थ्य मंत्रालय

देश में अभी कम्यूनिटी ट्रांसमिशन नहीं, संक्रमण की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली ए.। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 678 नए केस सामने आने से कुल मामले बढ़कर 6,412 हो चुके हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि देश में अभी कम्यूनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि देश में अभी कम्यूनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति नहीं है लेकिन सतर्कता जरूरी है। देश में टेस्टिंग की रफ्तार भी तेजी से बढ़ी है और अब कुल 213 लैब काम कर रहे हैं।

गुरुवार को 16,002 टेस्ट हुए, 2% ही पॉजिटिव

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पर्याप्त संख्या में टेस्ट किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय में जॉइंट सेक्रटरी लव अग्रवाल ने बताया कि जनवरी में हमने 1 लैब से काम शुरू किया, उसे बढ़ाकर 15 पहुंचाया और आज 146 सरकारी लैब हैं, 67 प्राइवेट लैब हैं जिनके 16 हजार से ज्यादा कलेक्शन सेंटर हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी में हम रोजाना 100 टेस्ट कर रहे थे। *शेष पृष्ठ 7 पर*

678 नए केस, अब तक 199 की मौत

देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 6,412 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से 503 लोग ठीक हो चुके हैं। कल से आज तक में 678 नए केस सामने आए हैं। अब तक 199 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले गुरुवार को 33 लोगों की मौत हुई।

घरेलू इस्तेमाल के लिए पर्याप्त हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन

मलेरिया के इलाज में काम आने वाली दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को कोरोना के इलाज में भी कारगर माना जा रहा है। भारत बड़े पैमाने पर इस दवा का निर्माण करता है, लिहाजा तमाम देशों की तरफसे भारत से इस दवा की मांग का सिलसिला जारी है। भारत ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था लेकिन बाद में यह प्रतिबंध हटा लिया। अब आशंकाएं उठ रही हैं कि क्या निर्यात के बाद भारत के पास पर्याप्त दवा होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत के पास पर्याप्त हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन है।

पीपीई, एन-95 मास्क और वेंटिलेटर की पर्याप्त व्यवस्था

अग्रवाल ने बताया कि लॉजिस्टिक्स की दिक्कतों की वजह से शुरुआत में एन-95 मास्क की कुछ दिक्कत हुई लेकिन राज्यों को पर्याप्त संख्या में मास्क भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि 9 लाख मास्क राज्यों के पास उपलब्ध थे, 2 महीने में राज्यों को अतिरिक्त 20 लाख मास्क उपलब्ध कराए गए हैं। मास्क की कमी नहीं होगी। इसी तरह राज्यों को पर्याप्त पीपीई भेजने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अब देश में ही पीपीई के 39 मैन्यूफैक्चरर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 49 हजार वेंटिलेटर के ऑर्डर दिए जा चुके हैं जो आने वाले दिनों में आ जाएंगे।

पीएम मोदी ने नेपाल, जापान के प्रधानमंत्रियों से की बात

नई दिल्ली, । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया भर में फैली कोरोना महामारी की चुनौती से उत्पन्न स्थिति पर शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ चर्चा की।

कोरोना वायरस 'कोविड-19' की चुनौती से निपटने के उपायों के बारे में दुनिया के प्रमुख देशों के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा कर चुके श्री मोदी ने आज श्री ओली से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न संकट और दोनों देशों के लोगों तथा क्षेत्र के सामने खड़ी चुनौती के बारे में अपने विचार साझा किये। उन्होंने इससे निपटने के लिए अपने अपने देश में किये गये उपायों पर भी बात की।

श्री मोदी ने इस संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ओली द्वारा नेपाल में उठाये गये कदमों और महामारी से लड़ने के नेपाल के लोगों के संकल्प की सराहना की। श्री ओली ने इस संकट के मुकाबले के लिए दक्षेस देशों के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल और नेपाल को दिये गये समर्थन के लिए भारत का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने महामारी से लड़ने के लिए नेपाल के प्रयासों में सहयोग तथा हर संभव मदद की भारत की वचनबद्धता को दोहराया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के विशेषज्ञों और अधिकारियों के सभी तरह की स्थिति में संपर्क और तालमेल बनाये रखने पर सहमति प्रकट की। इसमें सीमा पार आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखना भी शामिल है। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री ओली और नेपाल के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी। जापानी प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में भी श्री मोदी ने इस महामारी के कारण उत्पन्न वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने इस संकट से निपटने के लिए अपने-अपने देश में उठाए गए कदमों के बारे में भी बात की। दोनों नेताओं ने संकट की इस घड़ी में अपने अपने देशों में एक-दूसरे के नागरिकों को दी गई सहायता और सुविधा की सराहना की और इस तरह के समन्वय को जारी रखने पर सहमति प्रकट की।

निर्यातकों के लिए राहत पैकेज की मांग

नई दिल्ली, । आयात-निर्यात कारोबारियों के संगठन भारतीय निर्यातक महासंघ (फियो) ने कोरोना महामारी के मद्देनजर राहत पैकेज की मांग करते हुए शक्रवार को कहा कि क्षेत्र में डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार का संकट पैदा हो गया है। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि विश्व व्यापार संगठन ने वैश्विक व्यापार के सबसे निचले पायदान पर जाने की आशंका व्यक्त की है और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने गरीबी बढ़ने के आसार जतायें हैं। इसको देखते हुए आजीविका और जीवन के बीच संतुलन बनायें रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात के कारण भारतीय निर्यातकों को बहुत कम आर्डर मिल रहे हैं और अगर कारखानों को उन्हें पूरा करने की अनुमति नहीं दी गयी तो भारी संकट का सामना करना पड़ेगा। लॉकडाउन के कारण निर्यातकों को 50 प्रतिशत आर्डर रद्द करने पड़े हैं। इसके कारण करीब डेढ़ करोड़ कामगारों को अपनी आजीविका से हाथ धोना पड़ सकता है और उद्योग ऋण चुकाने में विफल हो सकते हैं।

श्री सराफ ने कहा कि सरकार को निर्यात के लिए तुरंत राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए जिससे इस महासंकट का सामना किया जा सके। सरकार को निर्यातोन्मुख कारखानों को तुरंत संचालित करने की अनुमति देनी चाहिए। कारोबारियों को ब्याज मुक्त पूंजी उपलब्ध करानी चाहिए जिससे मजदूरी, किराया तथा अन्य खर्चों का भुगतान किया जा सके।

कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा

वर्तमान हालात में लॉकडाउन जारी रखने की जरूरत : अमरेंदर

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की वकालत करते हुए कहा है कि इसे अनिश्चितकाल तक तो जारी नहीं रखा जा सकता लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे फिलहाल बढ़ाया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 दिन का लॉक डाउन समाप्त होने के बाद की स्थिति पर मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक करेंगे जिसमें वह सांसद निधि को स्थगित करने तथा कोरोना वायरस 'कोविड-19' से लड़ने के लिए राज्यों को आर्थिक सहायता देने का मुद्दा भी उठाएंगे।

कैप्टन सिंह ने शुक्रवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोरोना के मामले निरन्तर बढ़ रहे हैं और पूरे देश के हालत अच्छे नहीं हैं, इसलिए इसका फैलाव रोकने के लिए लॉक डाउन को बढ़ना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा संकट कोरोना वायरस जांच का है और टेस्टिंग से ही इसको नियंत्रित किया जा सकता इसलिए हालात को देखते हुए टेस्टिंग की सुविधा को बढ़ाने के आवश्यक उपाय करने जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ शनिवार को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली बैठक में वह सांसद निधि दो साल तक खत्म करने के मुद्दे को उठाएंगे और केंद्र सरकार से यह निर्णय वापस लेने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सांसद के निर्वाचन क्षेत्र की जनता के हितों से जुड़ा मुद्दा है और इसको रोका नहीं जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और उनके पास कोरोना से लड़ने के पूरे संसाधन नहीं है इसलिए केंद्र उन्हें पर्याप्त आर्थिक शत दे इस मुद्दे को भी वह इस बैठक में उठाएंगे।

भारत-यूएस की दोस्ती हुई और मजबूत

मोदी इकलौते गैर अमेरिकी नेता जिन्हें व्हाइट हाउस ने ट्विटर पर किया फॉलो

नई दिल्ली । दुनिया इस समय कोरोना वायरस के संक्रमण से परेशान है। अमेरिका में अभी तक 16 हजार से अधिक लोगों की इस महामारी से मौत हो गई है। लाखों लोग कोविड-19 के संक्रमण के चपेट में आ गए हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर महामारी संकट से जूझ रहे अमेरिका को भारत ने कोरोना के इलाज में कारगर माने जा रहे मेलेरिया की दवाई हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात को मंजूरी दी थी। इसके बाद प्रेसिडेंट ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उनका धन्यवाद किया। व्हाइट हाउस ने अपने ट्विटर हैंडल से भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री कार्यालय को फॉलो करना शुरू कर दिया है। यह अपने आप में खास इसलिए है, क्योंकि पीएम मोदी दुनिया के इकलौते गैर अमेरिकी नेता हैं, जिन्हें व्हाइट हाउस फॉलो कर रहा है।

कोरोना के खिलाफ भारत मानवता के संग, साथ जीतेंगे जंग: पीएम मोदी

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा की आपूर्ति को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत को दिए गए धन्यवाद और तारीफ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बात से सहमति जताई कि संकट के समय दोस्त नजदीक आ जाते हैं। साथ ही यह भी कहा कि कोविड-19 के खिलाफ जंग में भारत मानवता की सहायता के लिए हर संभव सहयोग करेगा।

नरेन्द्र मोदी ने मानवता की मदद की: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की तरफ से कोरोना के इलाज में कारगर माने जा रहे मेलेरिया की दवाई हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दिए जाने के बाद कहा कि वह इसे कभी नहीं भुला पाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन पर फैसले के लिए भारत और भारत के लोगों का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में दोस्तों के बीच करीबी सहयोग की जरूरत होती है।

कोरोना वायरसः चीन से जानवरों के बाजार को बंद करने की मांग

वुहान के सीफूड मार्केट से फैला था कोविड-19

वॉशिंगटन (ए.) । अमेरिकी सांसदों के एक सर्वदलीय समूह ने चीन से कहा है कि वह अपने सभी पशु बाजार (वेट मार्केट) तत्काल बंद कर दें क्योंकि यहां से जानवरों से बीमारी इंसानों तक पहुंचने का बहुत बड़ा जोखिम है। वेट मार्केट कहे जाने वाले बाजारों में विभिन्न प्रकार के ताजा गोश्त के साथ स्तनपायी, सृप, मछलियां इत्यादि जिंदा बेची जाती हैं। अमेरिका में चीन के राजदूत क्युई तिनाकाई को लिखे पत्र में सीनेटरों ने कहा, ''हम पत्र में चीन से यह आवश्यक अनुरोध करते हैं कि वेट बाजारों को तत्काल बंद करे क्योंकि इनसे पशुओं की बीमारियां (जूनोटिक डिसीज) इंसानी आबादी तक पहुंचने का जोखिम है। उन्होंने कहा कि चीन के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के निदेशक गाओ फू ने माना है कि नए कोरोना वायरस का स्रोत चीन के वुहान में सीफूड बाजार में अवैध तरीके से बेचे जा रहे जीव हैं।

निशंक ने की 'भारत पढ़े ऑनलाइन' अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली, (वार्ता)। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने देश में कोरोना वायरस 'कोविड-19' के प्रकोप से उपजे संकट को देखते हुए ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'भारत पढ़े ऑनलाइन' कार्यक्रम को शुरू किया है। डॉ निशंक ने कहा है कि एक सप्ताह तक चलने वाले इस ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम के बारे में कोई सुझाव 'भारत पढ़े ऑनलाइन हैश टैग' पर पोस्ट कर सकता है। इसके अलावा भारत पढ़े ऑनलाइन एमएचआरडी जीमेल.कॉम पर भेज सकते हैं।

उन्होंने इस अभियान का उद्देश्य भारत में डिजिटल शिक्षा के लिए उपलब्ध प्लेटफार्म को और बढ़ावा देना तथा देशभर के बुद्धिमान लोगों से इसको और उत्कृष्ट बनाने एवं इसमें आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए सुझाव लेना है। सभी सुझाव सीधे-सीधे मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ साझा किये जायेंगे। डॉ निशंक ने कहा, इस अभियान के तहत स्कूल में अथवा उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को जोड़ा जायेगा क्योंकि वे ही हैं जो सबसे ज्यादा विभिन्न विषयों को पढ़ाने वाले डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्मों से लगातार जुड़े रहते हैं, वे ये बात मंत्रालय या मंत्री से सीधे तौर पर बता सकते हैं कि इन प्लेटफॉर्मों में क्या कमी है और इनको कैसे दूर किया जा सकता है।

रिलायंस ने एक दिन में वितरित किए 13 लाख से अधिक फूड पैकेट

नई दिल्ली, । देश के सबसे धनाड्य व्यक्ति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के खिलाफ जंग में अपना खजाना खोल दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्रुप की सामाजिक सेवा संस्था रिलायंस फाउंडेशन ने स्वयंसेवी संगठनों और समाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर एक ही दिन में देश में 13,81,620 भोजन के पैकेट एवं राशन वितरित किया। फाउंडेशन द्वारा अब तक कुल मिला कर 42 लाख 88 हजार से अधिक फूड पैकेट एवं राशन वितरित किए जा चुका है। देश के 14 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 41 जिलों में जरूरतमंदों को यह भोजन वितरित किया गया है। पूर्ण बंदी से प्रभावित भारतीयों के लिए रिलायंस ने 50 लाख भोजन वितरित करने का लक्ष्य रखा है। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी के स्वयं अपनी निगरानी में इन सभी कामों को अंजाम दे रही हैं। भोजन के अलावा रिलायंस ने अपने पेट्रोल पंपों से आपातकालीन वाहनों को मुफ्त ईंधन देने की घोषणा की थी। घोषणा के अनुरूप रिलायंस के पेट्रोल पंपों से कोरोना वायरस मरीजों को लाने ले जाने वाले आपातकालीन वाहनों को ईंधन दिया जा रहा है। अब तक 1240 वाहनों और एंबुलेंसों में लगभग 46 हजार लीटर ईंधन भरा जा चुका है।

चिकित्सा सामग्रियों के आयात का हब बना दिल्ली हवाई अड्डा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर लॉकडाउन के बीच दिल्ली का इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के जरूरी चिकित्सा उपकरण तथा अन्य सामग्रियों के आयात का केंद्र बन गया है। लॉकडाउन के दौरान देश में नियमित यात्री विमान सेवा बंद हैं, लेकिन दिल्ली हवाई अड्डे पर रोजना 20-22 मालवाहक विमानों की आवाजाही हो रही है। इसमें कोरोना से लड़ने के लिए विदेशों से जरूरी सामन लेकर आने वाले विमान भी शामिल हैं। लॉकडाउन के दौरान विभिन्न देशों से करीब 19 लाख मास्क, हैंड सेनेटाइजर की दो लाख बोतलें, स्वास्थ्य कर्मियों के लिए निजी बचाव के डेढ़ लाख किट और 50 हजार चिकित्सा उपकरण यहाँ लाये गये हैं। दिल्ली से ये जरूरी सामान 'लाइफलाइन उड़ान' के तहत मुंबई, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, कोचीन, हैदराबाद, पर्वतीय तथा पूर्वोत्तर के राज्यों और द्वीपीय इलाकों में पहुँचाये जा रहे हैं।

पिछले साल कम हुई विमान दुर्घटनाएं

मॉन्ट्रियल/नई दिल्ली । हवाई यात्रा के लिए वर्ष 2019 ज्यादा सुरक्षित रहा और विमान दुर्घटनाओं तथा उनमें मरने वालों की संख्या में कमी देखी गयी। अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात संघ (आयटा) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कुल 53 विमान दुर्घटनाएं हुई। इनमें 45 विमान दुर्घटनाओं में किसी की मौत नहीं हुई जबकि अन्य आठ में कुल 240 लोगों की जान चली गयी। औसतन प्रति 10 लाख उड़ानों में 1.13 दुर्घटना का शिकार हुई। आठ घातक विमान दुर्घटनाओं में चार जेट और चार टर्बोप्रॉप इंजन वाले विमान शामिल थे। वर्ष 2018 में प्रति 10 लाख उड़ानों में 1.36 की औसत से 62 विमान दुर्घटनाएं हुई थीं। इनमें 11 हादसों में कुल 523 लोगों की जान गयी थी। वर्ष 2014 से 2018 के दौरान औसतन हर साल 63.2 विमान दुर्घटनाओं में 303.4 लोग मारे गये थे। आयटा के महानिदेशक एलेग्जेंडर डी जुनिएक ने कहा कि वर्ष 2019 की रिपोर्ट से जाहिर है कि विमानन क्षेत्र के लिए गहनतम संकट की स्थिति में भी हम इसे और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पुजारा का ग्लोसेस्टरशायर के साथ अनुबंध कोरोना के कारण टूटा

लंदन । विश्वभर में फ़ैल चुके खतरनाक कोरोना वायरस कोविड 19 के कारण भारत की टेस्ट टीम में खेलने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का काउंटी क्रिकेट क्लब ग्लोसेस्टरशायर के साथ इस वर्ष की शुरुआत में हुआ अनुबंध टूट गया है। ग्लोसेस्टरशायर क्लब ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि पुजारा इस वर्ष क्लब के लिए नहीं खेलेंगे। पुजारा ने काउंटी चैम्पियनशिप सीजन में क्लब के साथ शुरूआती छह मुकाबले खेलने के लिए फरवरी में अनुबंध पर हस्ताक्षर किये थे। जवागल श्रीनाथ के बाद ग्लोसेस्टरशायर क्लब के लिए खेलने वाले पुजारा पहले भारतीय थे। श्रीनाथ वर्ष 1995 में ग्लोसेस्टरशायर के लिए खेले थे। कोरोना के प्रकोप के कारण इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 28 मई तक देश में सभी तरह के क्रिकेट खेले जाने पर पाबंदी लगा दी है और इसके अलावा यात्रा संबंधी प्रतिबन्ध के बाद क्लब ने पुष्टि करते हुए कहा कि प्रशंसक पुजारा को खेलते हुए नहीं देख सकेंगे। ग्लोसेस्टरशायर क्लब के अध्यक्ष और मुख्य अधिकारी ने बयान जारी कर कहा, यह काउंटी क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ थी और हमने इसके लिए शीतकालीन सत्र में बहुत मेहनत की थी।

मुझे पता है कि यह खिलाड़ियों, स्टाफ और

भ्रष्टाचार के आरोप के खिलाफ अपील नहीं करेंगे अकमल

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान के बल्लेबाज उमर अकमल अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोप के खिलाफ अपील नहीं करेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के दौरान स्पॉट फिक्सिंग के मामले को लेकर अकमल पर आरोप लगाए हैं और बोर्ड ने इस मामले को अनुशासन समिति को भेजने का फैसला किया है। 29 वर्षीय अकमल को गत 20 फरवरी को अस्थायी रुप से निलंबित किया गया था। पीसीबी ने कहा कि उसने इस मामले को अनुशासन समिति के पास भेजने का फैसला लिया है जिसकी अध्यक्षता लाहौर उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश फज़ल मिरान चौहान करेंगे। अनुच्छेद 4.8.1 के तहत अनुशासन समिति के चैयरमैन अब उन पर लगे आरोपों को तय करेंगे। पीसीबी ने अकमल के खिलाफ 20 मार्च को भ्रष्टाचार रोधी धाराओं को तोड़ने का आरोप लगाया था। पीसीबी के सुरक्षा अधिकारियों से कहा है कि वह व्यवसाय और सामाजिक कार्यों के कारण कई लोगों से मिलते हैं ।

दर्शकों के बिना आईपीएल खेलने के लिए तैयार : पैट कमिंस

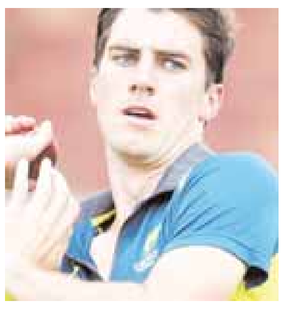

मेलबोर्न, । कोरोना वायरस के खतरे के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के होने को लेकर चल रहे संशय के बीच ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा है कि वह दर्शकों के बिना इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। कोरोना के खतरे को देखते हुए आईपीएल को 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित किया गया था। लेकिन देश में कोरोना से उपजे हालात नहीं सुधरने के कारण और लॉकडाउन बढ़ने की आशंका के बीच इसके आयोजन पर खतरा मंडरा रहा है। कमिंस को विजडन ने वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शुमार किया है। 2019 दिसंबर में आईपीएल के लिए हुई नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस 15.5 करोड़ रुपये में कोलकाता की टीम में बिके थे जो आईपीएल के इतिहास में किसी विदेशी खिलाड़ी के लिए आज तक की सबसे बड़ी रकम है। भारत सरकार ने कोरोना के कारण विदेशियों के देश में आने पर रोक लगायी हुई है और ऐसे में दूसरे देश के खिलाड़ियों का आईपीएल में खेलना नामुमकिन है। दर्शकों के बिना खेलने पर कमिंस ने कहा, हां, मैं इसके लिए तैयार हूं और हमें ऐसे बड़े टूर्नामेंट को सुरक्षित हालात में कराने पर विचार करना चाहिए।

सभी के लिए पहली प्राथमिकता

सोनाली बेन्द्रे ने इम्यूनिटी बढ़ाने के दिये टिप्स

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने इम्यूनिटी बढ़ाने के कुछ टिप्स सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। कैंसर से जिंदगी की जंग जीतने वाली सोनाली ने ना सिर्फ कैंसर की जंग का सामना किया है, बल्कि पूरी तरह फिट होकर अपने जीवन की गाड़ी को फिर पटरी पर ला खड़ा किया है। सोनाली ने इम्यूनिटी बढ़ाने के टिप्स बताए हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है कि इस कठिन समय में हम सब जानते हैं कि मजबूत इम्यूनिटी के क्या मायने हैं, कैंसर से जूझने के दौरान मैंने इम्यूनिटी सिस्टम को बूस्ट करने के लिए काफी रिसर्च की, फिर मैंने एक उपाय की शुरुआत की जो कि अब आदत बन चुका है। टेस्ट कर चुकी हूं, कीमोथेरेपी के दौरान में इसकी वजह से इंफेक्शन से बची हूं और मुझे लगता है कि यह सीक्रेट फार्मूला उसके लिए कारगर साबित हुआ है। मैं आपसे शेयर कर रही हूं। उम्मीद करती हूं कि आप सब इसका उपयोग कर इसका फायदा उठा सकते हैं।। सोनाली ने जिन तीन स्टेप पर फोकस किया है उसमें पहला है भाप लेना, दूसरा एक गिलास गर्म पानी और तीसरे स्टेप में सोनाली पालक,अखरोट, आंवला, गाजर, हल्दी, अदरक, बादाम, दालचीनी, मुनक्का से भरी प्लेट दिखाती है और फिर उसे पीसकर उसका शेक बनाती है।

लॉकडाउन में हुई गैस की 3.38 करोड़ सिलिंडर की डिलिवरी

नयी दिल्ली । देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने लॉकडाउन के दौरान पहले 15 दिन में 3.38 करोड़ गैस सिलिंडर की डिलिवरी की है। लॉकडाउन की घोषणा के बाद से ही लोगों जरूरी सामानों का भंडारण शुरू कर दिया है। रसोई गैस सिलिंडरों की बुकिंग में भी भारी इजाफा देखा गया है। इंडियन ऑयल ने बताया कि 25 मार्च से 08 अप्रैल के बीच लॉकडाउन के 15 दिन में उसने

3.38 करोड़ रिफिल सिलिंडर की डिलीवरी की है। यह औसतन करीब 26 लाख सिलिंडर प्रति दिन है। इंडियन ऑयल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ग्राहकों को आश्वस्त किया कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और वे घबराहट में आकर सिलिंडर बुक न करायें। उसने बताया कि कंपनी ने अप्रैल और मई में 50 फीसदी अतिरिक्त रसोई गैस के आयात के लिए समझौता किया है। साथ ही रसोई गैस की अपनी रिफाइनरियों में उत्पादन बढ़ा दिया है।

अक्षय ने मुंबई पुलिस की तारीफ की

मुंबई । बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने मुंबई पुलिस की तारीफ की है। कोरोना वायरस कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन है। संकट की इस घड़ी में डॉक्टर और पुलिसकर्मी दिन रात अपनी सेवाएं दे रहें हैं।लॉकडाउन के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के लिए अक्षय कुमार ने मुंबई पुलिस की सराहना की है। अक्षय ने वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनकी बात मुंबई पुलिस के एक अफ़्सर से हो रही है। उन्होंने कहा, ÷कमाल की बात है कि आप लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं और विडम्बना है कि हम लोग घर में जाने से डर रहे हैं। सड़क पर बाहर रहते हैं। इतने लोगों से मिलते हैं।

■ न्यूज गैलरी

महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा मौत मप्र में, अब तक 453 केस

भोपाल। अन्य राज्यों के मुकाबले में मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस (कोविड-19) ज्यादा खतरनाक हो रहा है। संक्रमित मरीजों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश देश में नौवें स्थान पर है, लेकिन मौत के मामले दूसरे नंबर पर आ गया है। इस बीमारी से अभी तक सबसे ज्यादा 64 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई है। इसके बाद दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश है। यहां अब तक कुल 453 लोग संक्रमित हुए हैं और 33 लोगों की मौत हो चुकी है। चूंकि स्वाइन फ्लू के पॉजिटिव मरीजों में मौत का प्रतिशत भी देश में सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में रहता है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है। बुजुर्ग या पहले से बीमार लोग सावधान रहें। लापरवाही न करें। सर्दी-खांसी व बुखार हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

इंदौर में मृत 10 मरीज 50 साल के ऊपर के

मप्र स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 7 मार्च तक इंदौर में 13 मरीजों की मौत हुई थी। इनमें नौ मरीजों की उम्र 50 से 60 साल के बीच की थी। एक की उम्र 80 साल थी। बाकी तीन 50 से कम उम्र के थे। इनमें ज्यादातर मरीजों को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व अन्य बीमारियां भी पहले से थीं। भोपाल में अभी तक एक मरीज की मौत हुई है। वह भी छह महीने से बीमार था। उसे फेफड़े की बीमारी थी।

मप्र कांग्रेस ने पूछा- लॉकडाउन और कर्फ्यू लगाने में देरी की वजह क्या थी? 85 प्रतिशत से अधिक ने दिया ये जवाब

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। एक तरफ जहां मध्य प्रदेश समेत देशभर में कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। वहीं, मध्य प्रदेश की सियासी खीचतान भी थमने का नाम नहीं ले रही है। 15 साल बाद हाथ आई प्रदेश की सत्ता सिर्फ 15 महीनों में हाथों से खिसक जाने पर कोई भी खलबला उठे। कुछ ऐसा ही हाल इन दिनों प्रदेश कांग्रेस का है। हालांकि, इस बार कांग्रेस की ओर से पूछा गया सवाल सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। सवाल है भी ऐसा, जिसने बिगड़ते हालातों को कहीं न कहीं सन दी है। इसलिए उस सवाल पर लोगों की खास प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश कांग्रेस ने अपने ट्विटर पेज पर एक पोल क्रिएट करते हुए सवाल किया कि, भारत में लॉकडाउन करने और कर्फ्यू लगाने का निर्णय लेने में देरी की मुख्य वजह क्या थी...? सवाल के साथ चार ऑप्शन भी दिये गए, जिनमें पहले नंबर पर पूछा गया कि, मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने के लिए। दूसरे ऑप्शन में कहा गया कि, गंगा की सफाई करने के लिए। मोदी की इच्छा पूरी करने के लिए। चोथा ऑप्शन था महामारी में नंबर वन आने के लिए। हालांकि, लोगों में कांग्रेस का ये पोल इतना पसंद आ रहा है कि, किथ ही घंटों के भीतर 1.6k Likes हो गए। इसे करीब 600 बार री ट्वीट किया गया है। पूछे गए सवालों के जवाब में सबसे अधिक, 85.1 फीसदी नंबर पहले ऑप्शन को मिले, जिसमें पूछा गया था कि, मप्र में भाजपा सरकार बनाना इसके बाद, दूसरा ऑप्शन, गंगा की सफाई करना को 4.1 फीसदी वोट मिले हैं। तीसरे ऑप्शन मोदी की इच्छा पूरी करना 5.7 फीसदी वो मिले। जबकि, चौथा ऑप्शन जिसमें पूछा गया था कि, महामारी में नंबर वन आना। हैरानी की बात ये है कि लोगों ने इसपर भी 5.1 फीसदी वोट मिले हैं।.

मप्र लॉकडाउन का 17वां दिन : अब तक 451 केस

स्वास्थ्य विभाग ने पब्लिक हेल्थ एक्ट की धारा 71 (1) के तहत प्रदेश में मास्क पहनना जरूरी, वरना कार्रवाई होगी

प्रदेश सरकार ने 20 जिलों में जहां संक्रमित मरीज मिले, वहां 46 बस्तियों को हॉटस्पॉट मानकर सील करने के आदेश

नव प्रदेश ब्यूरो

भोपाल। लॉकडाउन का आज 17वां दिन है। प्रदेश में अब तक 451 संक्रमित और 36 मौतें हो चुकी हैं। भोपाल से सटे विदिशा में एक दिन में 11 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं, पुलिस ने शुक्रवार को तब्लीगी जमात के 64 विदेशी सदस्यों को गिरफ्तार किया। 10 भारतीयों के भी संगठन से संबंध पाए गए। विदेशियों के रहने का इंतजाम करने वाले 13 अन्य पर केस दर्ज किया गया है। इंदौर में गुरुवार को 22 नए संक्रमित मिले। वहां अब तक 235 संक्रमित और 26 मौतें हो चुकी हैं, भोपाल में 109 संक्रमित हो चुके हैं। यहां एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। राज्य सरकार के संक्रमण रोकने के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पब्लिक हेल्थ एक्ट की धारा 71(1) के तहत पूरे प्रदेश में मास्क पहनना जरूरी कर दिया है। इसके तहत अब लोग घर से बाहर बिना मास्क के नहीं निकल सकेंगे। जो लोग नियमों का पालन नहीं करेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार ने 20 जिलों में जहां संक्रमित मिले, वहां की 46 बस्तियों को हॉटस्पॉट मानकर सील करने के आदेश दिए हैं। प्रदेश सरकार ने गुरुवार देर रात 14 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में टोटल लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के आदेश जारी किए। पहले से चले आ रहे लॉकडाउन से ही लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जरूरी सामान खत्म हो गया है। सरकार का दावा है कि पूरे प्रदेश में सभी जरूरी सामान की कमी नहीं हो दी जाएगी। सच यह है कि जरूरी सामान की कमी हो गई है। एक हफ्ते से दुकानें नहीं खुलने से लोग खरीदारी नहीं कर पा रहे।

सरकार जो व्यवस्था करने के दावे कर रही है, वे पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति ग्रामीण इलाकों की है। चौरई तहसील के खैरीखुर्द गांव में सामूहिक रूप से नमाज पढ़ रहे 40 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार गुरुवार रात पुलिस गश्त कर रही थी, इसी दौरान खैरी की मस्जिद में धारा 144 लागू होने के बावजूद सामूहिक नमाज अदा की जा रही थी, इसमें गांव का सरपंच भी शामिल था। भोपाल में 40 से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों के कोरोना पॉजिटिव मिलने और इंदौर में पॉजिटिव पाए गए एक डॉक्टर की मौत के बाद प्रदेश में डॉक्टरों के बीच दहशत है।

राज्य के 20 जिले कोरोना प्रभावित; 15 जिलों में 46 कोरोना हॉटस्पॉट

कोरोना से ज्यादा प्रभावित 20 जिलों के 46 हॉटस्पॉट को पूरी तरह सील किया जा रहा है। इनमें भोपाल, इंदौर और उज्जैन को पहले ही सील कर दिया गया है। इन क्षेत्रों में आने-जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। जहां कोरोना संक्रमण के मामले मिले हैं, उनमें जबलपुर में 8, ग्वालियर में 6, खरगोन में 5, बड़वानी में 5, छिंदवाड़ा में 5, देवास में 4, होशंगाबाद में 3, विदिशा में 2, खंडवा में 2, मुरैना, शिवपुरी, बैतूल, श्योपुर, रायसेन और धार की 1-1 जगह को हॉटस्पॉट घोषित किया गया है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने बताया कि प्रदेश की कोरोना टेस्टिंग क्षमता 1050 प्रतिदिन हो गई है। टेस्टिंग किट पर्याप्त संख्या में हैं।

गौशालाओं में चारा खत्म

लॉकडाउन का असर प्रदेशभर की गौशालाओं पर भी पड़ा है। यहां गायों को दिया जाने वाला चारा खत्म हो गया है। कई गौशालाओं में दिन में एक बार थोड़ा-सा भूसा दिया जा रहा है। जो लोग गौशालाओं की व्यक्तिगत तौर पर मदद करते थे, वे लॉकडाउन की वजह से असमर्थ हैं। फसल की कटाई नहीं होने से भूसा भी नहीं आ पा रहा। गौशालाओं में गायों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। सूत्रों का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से सही जानकारी सामने नहीं आ रही है।

30 अप्रैल तक फीस नहीं मांग सकते स्कूल, जिला शिक्षा अधिकारी ने दिया निर्देश

अभिवावकों की थी शिकायत,स्कूल फीस वसूली के लिए विद्यार्थियों पर दबाव बना रहे हैं

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉक डाउन अवधि के दौरान सरकार स्कूल फीस वसूली स्थगित करने की बात कह चुकी है लेकिन अभी भी कई स्कूल फीस वसूली के लिए विद्यार्थियों पर दबाव बना रहे हैं। अभिभावकों की ओर से फीस वसूली की शिकायतें मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने गुरुवार को निजी स्कूलों को निर्देशित किया है कि 30 अप्रैल तक अभिभावकों से फीस नहीं मांगे। शहर में कई निजी स्कूलों की ओर

से अभिवावकों को फीस जमा करने के लिए मैसेज भेजे जा रहे है। इस संबंध में पालक महासंघ की ओर से शिकायत मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देश जारी किए हैं।

अभिभावकों से फीस ना मांगे

जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने बताया कि आम नागरिकों को राहत देते हुए राज्य सरकार स्कूलों की फीस वसूली स्थगित कर चुकी है। अभिभावकों की ओर से कुछ स्कूलों की ओर से फीस वसूली की शिकायत मिली थी। इस आदेश के परिपेक्ष्य में निजी स्कूलों को निर्देशित किया गया कि वह 30 अप्रैल तक अभिभावकों से फीस ना मांगे। बाल आयोग ने ऑनलाइन टीचिंग के नाम पर अभिवावकों पर किताब खरीदने का दबाव बना रहे स्कूलों पर कार्रवाई की अनुशंसा की है। पत्रिका ने 8 मार्च को ऑनलाइन टीचिंग किताबों के लिए पुस्तक विक्रेताओं के शटर खटखटा रहे अभिवावक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था।

लॉकडाउन का 'श्रवण कुमार', देखिए मां से प्रेम की खूबसूरत तस्वीर

जनधन खाते से पैसे निकालने के लिए भोपाल के बैंकों में खूब उमड़ रही है भीड़

मां के ठेले पर लेकर बैंक पहुंचा बेटा

पुरानी भोपाल की है यह खूबसूरत तस्वीर

सरकार ने 4 करोड़ जनधन खाते में डाले हैं 500-500 सौ रुपये

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉकडाउन में सब कुछ बंद है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से एक बहुत ही खूबसूरत तस्वीर सामने आई हैं, जिसे देख लोग आधुनिक श्रवण कुमार की तस्वीर कह रहे हैं। ये तस्वीर पुरानी भोपाल की है।

जहां एक बेटे ने इस चिलचिलाती धूप में अपनी मां को ठेले पर बैठाकर बैंक तक पहुंचाया। कोरोना की वजह से लॉकडाउन लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने सभी जनधन अकाउंट में 500 रुपये डाले हैं। इसे लेकर भोपाल के बैंकों में पैसे निकालने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इस दौरान कई जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन भी हो रहा है। जनधन खाते से पैसे निकालने के लिए यह व्यक्ति भी अपनी बूढ़ी मां को ठेले से बैंक लेकर जा रहा है।

मध्य प्रदेश में हो सकती है वेंटिलेटर एवं आईसीयू बिस्तरों की भारी कमी?

सरकारी आंकड़ों के अनुसार साढ़े सात करोड़ से अधिक आबादी वाले मध्य प्रदेश में सरकारी एवं निजी अस्पतालों को मिलाकर मार्च 2020 तक कुल 993 वेंटिलेटर और गहन चिकित्सा विभाग के 1,598 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की पिछले कुछ दिनों से तेजी से बढ़ रही संख्या को देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले दिन और भी चुनौतीपूर्ण होंगे. राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े आंकड़ों के अनुसार राज्य में वेंटिलेटर और आईसीयू में बिस्तरों की स्थिति भी विकट हो सकती है, यदि संक्रमितों के आंकड़ों में कमी लाने को लेकर गंभीर प्रयास नहीं किए गए. मध्य प्रदेश सरकार के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि मध्य प्रदेश में प्रति 75,000 लोगों के लिए केवल एक वेंटिलेटर है और प्रति 47,000 लोगों के लिए मात्र एक आईसीयू बेड उपलब्ध है. हालांकि, राज्य सरकार के लिए यह संतोष की बात है कि इस महामारी से लड़ने के लिए कारगर मानी जा रही हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की गोलियां वर्तमान में प्रति व्यक्ति करीब 30 (गोलियां) उपलब्ध हैं. असलियत में यह दवा मलेरिया के उपचार में काम आती है, लेकिन फिलहाल कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज में दुनियाभर में इसका प्रयोग हो रहा है. मध्य प्रदेश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की संख्या 440 पर पहुंच गयी है, जिनमें से 33 लोगों की मौत हो चुकी है. इस महामारी ने प्रदेश के जबलपुर में 20 मार्च को दस्तक दी थी और मात्र 21 दिन में इस बीमारी ने प्रदेश के 20 जिलों को अपनी चपेट में ले लिया है. प्रदेश में इन्दौर में सर्वाधिक 235 कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं, जबकि भोपाल में 112 मरीज संक्रमित पाये गये हैं.

प्रति 47,000 लोगों के लिए एक आईसीयू बेड

सरकारी आंकड़ों के अनुसार साढ़े सात करोड़ से अधिक आबादी वाले मध्य प्रदेश में सरकारी एवं निजी अस्पतालों को मिलाकर मार्च 2020 तक कुल 993 वेंटिलेटर और गहन चिकित्सा विभाग (आईसीयू) के 1,598 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं. प्रदेश की साढ़े सात करोड़ से अधिक आबादी के साथ इन वेंटिलेटरों और आईसीयू बेडों की तुलना करने पर पता चलता है कि करीब प्रति 75,000 लोगों के लिए एक वेंटिलेटर है और प्रति 47,000 लोगों के लिए एक आईसीयू बेड है. लेकिन, इन वेंटिलेटरों एवं आईसीयू बेडों में से अधिकांश पर पहले से ही अन्य बीमारियों से जूझ रहे अति गंभीर मरीज हैं।

भोपाल में महिला पुलिसकर्मियों ने बनाई रसोई ब्रिगेड, एडिशनल एसपी ने संभाली रसोई की कमान

उमरिया जिले में पदस्थ एडिशनल एसपी रेखा सिंह किसी जनसहयोग से नहीं और न ही ही अपने स्टाफ से खाना बनवा रही हैं. उन्होंने एक मां की तरह रसोई की जिम्मेदारी खुद संभाली और खुद ही खाना बनाकर मजदूरों की मदद कर रही हैं.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। देशव्यापी महामारी कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन है. कई लोग ऐसी जगहों में फंस गये हैं जहां उन्हें खाने की सामग्री जुटाने में काफी दिक्कत हो रही है. ऐसे में राजधानी भोपाल में महिला पुलिस कर्मियों ने लोगों की मदद के लिये रसोई ब्रिगेड बनाई है, तो उमरिया की एक महिला एडीशनल एसपी ने खुद रसोई की कमान संभाल ली है. अपनी ड्यूटी के साथ यह सभी महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने हाथों से रसोई चला रही हैं.

ऐसे काम कर रही रसोई ब्रिगेड

निशातपुरा थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर उर्मिला यादव,आरक्षक दीपमाला और सारिका साहू ने मिलकर रसोई ब्रिगेड तैयार की है. थाना निशातपुरा परिसर में रसोई ब्रिगेड सुबह-शाम भोजन तैयार कर रही हैं. इस रसोई में महिला पुलिस कर्मी थाना स्टाफ की मदद से ड्यूटी पर तैनात 115 पुलिसकर्मियों के लिए रोज दोनों वक्त का खाना तैयार करती हैं.

एडिशनल एसपी खुद चला रही रसोई

उमरिया जिले में पदस्थ एडिशनल एसपी रेखा सिंह किसी जनसहयोग से नहीं और न ही ही अपने स्टाफ से खाना बनवा रही हैं. उन्होंने एक मां की तरह रसोई की जिम्मेदारी खुद संभाली और खुद ही खाना बनाकर मजदूरों की मदद कर रही हैं. रेखा सिंह सब्जी में तड़के से लेकर चावल को पकाने तक किचन में खड़ी रहती हैं. पूरी भी उनकी हाथों से होकर गुजरती है. किचन का हर एक समान उनकी निगरानी में आता है और खाने में वह कोई कंप्रोमाइज नहीं करती हैं. उनके हाथ का खाना उनके घर के खाने की तरह ही रहता है. उनका स्टाफ भी अब उनका हाथ बंटाने लगा है.

कोरोना वायरस का असर | मप्र की वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है कोविड-19 वायरस का असर

वेतन-भत्ते, पेंशन के लिए तो पैसा है, पर केंद्रीय करों का पैसा घटा तो बढ़ सकती है दिक्कत

राज्य सरकार ने निर्माण कार्यों के भुगतान व विकास के काम रोके

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोविड-19 वायरस का असर मप्र की वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाला है। राज्य सरकार ने अप्रैल के वेतन, भत्ते तो कर्मचारियों-अधिकारियों को दे दिए। पेंशन भी जारी कर दी, लेकिन लॉकडाउन के चलते अप्रैल जैसे हालात मई में भी बने रहे तो जून में वित्तीय परिस्थितियां परेशानी खड़ी कर सकती है। हालांकि वित्त विभाग के अधिकारिक सूत्र कह रहे हैं कि फाइनेंशियल इमरजेंसी (वित्तीय आपातकाल) जैसे हालात नहीं बनने दिए जाएंगे। उनका यह भी कहना है कि केंद्रीय

करों में मप्र की हिस्सेदारी का हर माह 4000 करोड़ रुपए मिल जाता है तो ठीक रहेगा। लेकिन जो संभावनाएं बन रही हैं, उससे लगता है कि यह राशि कम होगी। वित्त विभाग ने इसे देखते हुए वित्तीय वर्ष 2020-21 के शुरू होते ही वित्तीय अनुशासन से जुड़ी तैयारी शुरू कर दी है। सिर्फ जरूरी खर्च को ही करने की स्वीकृति के निर्देश दिए गए हैं। इनमें वेतन-भत्ते, स्कॉलरशिप के साथ हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन और आयुष विभाग के ही खर्चे मंजूर होंगे। विकास कार्यों, निर्माण कार्यों से जुड़े भुगतान और अन्य कैपिटल एक्सपेंडिचर को रोक दिया गया है। हाल ही में राज्य सरकार ने अधिकारियों व कर्मचारियों का डीए रोककर हर माह 45 से 50 करोड़ रुपए बचाए हैं। सरकार को ब्याज के एक हजार करोड़ भी देने पड़ते हैं-राज्य सरकार पर जितना कर्ज है, उसका हर साल 10 से 12 हजार करोड़ रुपए ब्याज व मूलधन भरना पड़ता है। इस हिसाब से हर माह एक हजार करोड़ का यह भार माना जा सकता है।

राज्य सरकार ने सिर्फ इन छह सेक्टर के लिए ही पैसा रखा

वेतन-भत्ते व स्कॉलरशिप 6प्राकृतिक आपदा और आरबीसी 6 (4) में मुआवजा या राहत राशि लोन या ब्याज का पैसा स्थापना व्यय- मिड-डे-मील और अन्य आहार स्कीम हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन और आयुष के किसी भी खर्च पर रोक नही हर माह वेतन, भत्ते, पेंशन व अन्य पर 4000 करोड़ का बड़ा खर्च वेतन, भत्ते, पेंशन के साथ सामाजिक पेंशन (वृद्धावस्था, सामाजिक सुरक्षा, निराश्रित) और आदिवासी, दलित व ओबीसी को मिलने वाली स्कॉलरशिप के लिए ही सरकार को चार हजार करोड़ की जरूरत हर माह पड़ती है। यह पूर्ति केंद्रीय करों से मिलने वाली राशि से कर दी जाएगी। इसके अलावा क्षतिपूर्ति का पैसा भी मिलेगा। मार्च का 600 करोड़ रुपए अप्रैल में मप्र सरकार को केंद्र सरकार ने जारी किया है। राज्य सरकार, केंद्र से मांग कर सकती है कि उसे जीडीपी का 1त्न कर्ज बाजार से लेने की इजाजत दे दे। इससे काफी राहत मिल सकती है। विकास कार्य चलने लगेंगे। जो भी कर्ज बाजार से लिया जाएगा, उसकी प्रतिपूर्ति राजस्व खर्च से की जाएगी। राज्य सरकार यह सुझाव भी केंद्र सरकार के सामने रखेगी कि चालू वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार से अनुदानित योजनाओं में कटौती करने की छूट दी जाए।

संपादकीय

हरियाणा का अनुकरणीय निर्णय

भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग का अमला जिस जी आन से जुटा हुआ है उसकी जितनी तारिफ की जाए कम है। सफाई कर्मचारी भी अपनी जान हथेली पर रखकर अपना कर्तव्य निभा रहे है। इसी तरह पुलिस कर्मचारी भी विपरीत परिस्थितियों में लगातार ड्यिूटी कर रहे इन सभी कोरोना योद्धाओं का देश आजीवन कर्जदार रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन कोरोना योद्धाओं का सम्मान करने की अपील की थी जिसका पुरे देश ने पालन किया और एक दिन ताली, थाली, घंटी और शंक आदि बजाकर कोरोना योद्धाओं के प्रति आभार जताया। अभी भी देश में अनेक स्थानों पर लोग चिकित्सा कर्मियों और पुलिस कर्मचारियों के उपर पुष्प वर्षा करके उनका सम्मान कर रहे हैं। कुछ सिरफिर इसके अपवाद है जो इन कोरोना योद्धाओं का न सिर्फ अपमान कर रहे है बल्कि उन पर पत्थर भी बरसा रहे हैं। मेडिकल स्टाफ पर थूक रहे हैं। ऐसी स्थिति में डॉक्टरों और नर्सो सहित अन्य चिकित्सा कर्मियों का काम करना दुषवार होता जा रहा है। कोरोना सक्रंमित मरीजों की सेवा करने के दौरान 50 से अधिक डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी खुद कोरोना से ग्रसित हो चुके है। दो डाक्टरों की मौत भी हो गई है। इसी तरह सौ से अधिक पुलिस कर्मचारी भी कोरोना वायरस के संक्रमण का शिकार हो चुके है। आज स्थिति यह है कि स्वास्थ्य कर्म और पुलिस कर्मचारी अपने घर नहीं जा पा रहे है अस्पताल और थानों में ही भोजन ग्रहण कर रहे है और लगातार अपने कर्त्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। इन कोरोना योद्धओं का सिर्फ सम्मान ही काफी नही है। बल्कि उन्हें इस संकट की घड़ी में देश की अमुल्य सेवा करने के लिए पुरस्कृत भी किया जाना चाहिए। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने अनुकरणीय निर्णय लिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मरियों के साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों का वेतन दोगुणा किया जाएगा। निश्चित रूप से हरियाणा सरकार ने अनुकरणीय कदम उठाया है अन्य राज्य सरकारों को भी इस पर अमल करना चाहिए। प्रधानमंत्री राहत कोष और मुख्यमंत्रियों के राहत कोष में जो विपुल धन राशि जमा हो रही है। उसका एक हिस्सा इन कोरोना योद्धओं को पुरस्कृत करने में खर्च किया जाना चाहिए। ताकि ये और उत्साह से अपने काम को अंजाम दे सके। इसके साथ ही इन कोरोना योद्धाओं से अभद्र व्यवहार करने वाले और इन पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए ताकि वे निर्भिक होकर अपने दायित्व को निभा सके और कोरोना संक्रमित मरिजों को मौत के मुंह से बाहर ला सके। राजस्थान के भीलवाड़ा में 25 लोग कोरोना संक्रमित हुए थे और वहां के चिकित्सकों ने सभी 25 लोगों को स्वस्थ्य कर दिया। इसी तरह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित आर्युविज्ञान संस्थान के चिकित्साकों ने भी वहां भर्ती कोरोना संक्रमित दस मरिजों में से नौ लोगों को स्वस्थ्य कर दिया एक मरिज का उपचार जारी है और उसके भी शिघ्र स्वस्थ्य होने की संभावना है। सरकार को चाहिए कि ऐसे चिकिस्ता संस्थानों में अपने जान हथेली पर रखकर कोरोना संक्रमितों की सेवा करने वाले चिकिस्कों और पुरे स्टाप को पुरस्कृत करें।

प्रधानमंत्री ने त्रासदी को भी उत्सव बना दिया

वैश्विक संकट की घडी में भी राजनीतिक हित साधने का एक क्षुद्र उपक्रम

अनिल जैन

फूहडता और अश्लीलता का जैसा प्रदर्शन प्रधानमंत्री के समर्थकों की जमात ने किया, वैसी ही निर्लज्जता और अश्लीलता का मुजाहिरा उन तमाम टीवी चैनलों ने भी किया, जो कोरोनो के संकट को भी सांप्रदायिक रंग देने के लिए जमीन आसमान एक किए हुए हैं। जैसे ही रात को घडी ने 9 बजाये, वक्त का पहिया मानो थम गया। कोरोना के डरावने आंकडे टीवी चैनलों के स्क्रीन से गायब हो गए। परपीडा का आनंद देने वाली पाकिस्तान की बदहाली की गाथा का नियमित पाठ भी स्थगित हो गया। भक्तिरस में डूबे तमाम चैनलों के मुग्ध एंकर मुदित भाव से चीख-चीख कर बताने लगे कि देखिए, प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरा देश किस तरह दीपावली मना रहा है।

कोराना संक्रमण से बचाव से उपाय के तौर लॉकडाउन से पहले 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान जब लोग ताली, थाली, शंख, घंटी और ढोलक बजाते हुए सडकों पर निकल आए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस पर गहरी नाराजगी जताई थी। उनकी नाराजगी स्वाभाविक ही थी, क्योंकि जनता कर्फ्यू का आह्वान करते हुए उन्होंने कोरोना संक्रमण की चेन तोडने के लिए सोशल डिंस्टेसिंग बनाए रखने पर जोर दिया था। उन्होंने घर के देहरी को लक्ष्मण रेखा बताते हुए उसे न लांघने की अपील लोगों से थी।

जाहिर है कि लोगों ने खासकर प्रधानमंत्री के प्रशंसक वर्ग ने इस उनकी इस अपील की धज्जियां उडाई थीं। इसलिए लगा था कि अब आनन-फानन में लागू किए तीन सप्ताह के लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री लोगों से ऐसा कुछ भी करने को नहीं कहेंगे जिससे कि 22 मार्च जैसे दृश्य निर्मित हों और लॉकडाउन के मकसद के उलट लोगों को जगह इकट्ठा होने का मौका मिले। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

कोरोना के खिलाफ शुरू हुई लडाई के दौरान प्रधानमंत्री 3 अप्रैल को एक बार फिर देश से मुखातिब हुए। कोरोना काल के दौरान देश को उनका यह तीसरी संबोधन था। चूंकि लॉकडाउन शुरु हुए को एक सप्ताह से ज्यादा का समय हो गया था, इसलिए आम लोगों और खासकर गरीब तबके के सामने पेश आ रही तमाम तरह की दुश्वारियों और कोरोना से संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे तमाम डॉक्टरों के लिए जरूरी मास्क, दस्ताने, एप्रिन, कोरोना जांच किट आदि के अभाव के मद्देनजर लगा कि प्रधानमंत्री कुछ ठोस उपायों की जानकारी लोगों को देंगे। लेकिन प्रधानमंत्री इन मुद्दों पर बात करने के बजाय इस संकट की घडी में लोगों से 5 अप्रैल की रात को 9 बजे नौ मिनट के लिए अपने घरों की लाइटें बंद दीये और मोमबत्ती जलाने का आह्वान किया। इस आह्वान के साथ ही उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग पर जोर देते हुए साफ कहा था कि इस दौरान लोग अपने घरों से बाहर

निकल कर सडकों पर इकट्ठा नहीं होंगे।

मगर प्रधानमंत्री के इस आह्वान का भी वैसा ही हश्र हुआ जैसा 22 अप्रैल को जनता कर्फ्यू का हुआ था। लोगों ने प्रधानमंत्री की अपील पर अपने घरों की लाइटें बंद कर दीये और मोमबत्ती तो लगाए, लेकिन इस मौके पर देश के कई शहरों में प्रधानमंत्री की पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक जमकर आतिशबाजी भी की। यही नहीं, कई जगह सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की प्रधानमंत्री की नसीहत को ठेंगा दिखाते हुए नाचते-कूदते जय श्रीराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम, चाइना वायरस गो बैक और मोदी-मोदी के नारों के साथ मोमबत्ती और मशाल जुलूस भी निकाले गए।

चैतरफा अवसाद और उदासी के माहौल में अपने घरों में दीये और मोमबत्तियां जलाकर संकट की घडी में एकजुटता का प्रदर्शन और समाज में सकारात्मकता का प्रसार करने का प्रधानमंत्री के आह्वान में मौलिकता न होते हुए भी कोई बुराई नहीं थी। यूरोप के कुछ देशों ने भी इस दौर में अपने यहां ताली-थाली बजाने और दीये-मोमबत्ती जलाने जैसे कार्यक्रम किए हैं। लेकिन हमारे यहां तो 5 अप्रैल को रात के नौ बजते ही पूरे देश में दिवाली जैसा माहौल बन गया।

मानवीय संवेदना और एकजुटता प्रदर्शित करने के आयोजन को चारों दिशाओं से आ रहे आतिशबाजी के शोर ने बेहद अमानवीय और घृणास्पद बना दिया। इससे पहले 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान कोरोना योद्धाओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रदर्शन के लिए ताली और थाली बजाने के प्रधानमंत्री के आह्वान का भी ऐसा ही अश्लील हश्र हुआ था। उस आयोजन से भी यही जाहिर हुआ था कि प्रधानमंत्री की मंशा चाहे जितनी सात्विक रही हो, उसका पालन करने वाली उनके समर्थकों की जमात जाहिलों और अमानुषों से भरी हुई है, जो बडे से बडे शोक के मौके पर भी जश्न मनाने में किसी तरह का संकोच नहीं करती है।

फूहडता और अश्लीलता का जैसा प्रदर्शन प्रधानमंत्री के समर्थकों की जमात ने किया, वैसी ही निर्लज्जता और अश्लीलता का मुजाहिरा उन तमाम टीवी चैनलों ने भी किया, जो कोरोनो के संकट को भी सांप्रदायिक रंग देने के लिए जमीन आसमान एक किए हुए हैं। जैसे ही रात को घडी ने 9 बजाये, वक्त का पहिया मानो थम गया। कोरोना के डरावने आंकडे टीवी चैनलों के स्क्रीन से गायब हो गए। परपीडा का आनंद देने वाली पाकिस्तान की बदहाली की गाथा का नियमित पाठ भी स्थगित हो गया। भक्तिरस में डूबे तमाम चैनलों के मुग्ध एंकर मुदित भाव से चीख-चीख कर बताने लगे कि देखिए, प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरा देश किस तरह दीपावली मना रहा है।

यहां एक सवाल यह भी उठता है कि जब पूरे देश में लॉकडाउन के चलते सिर्फ अनाज, सब्जी, फल और दवाई की दुकानें खुली हैं तो फिर आतिशबाजी के लिए पटाखों का जखीरा देश के हर गांव और शहर में कैसे पहुंच गया? दीपावली को बीते करीब छह महीने हो चुके हैं, लिहाजा यह भी नहीं माना जा सकता कि लोगों के घरों में बचे हुए पटाखे रखे होंगे। जाहिर है कि दीपावली का यह जश्न सत्ता और संगठन की सुविचारित योजना के तहत मना है। भाजपा समर्थकों द्वारा दीये जलाने के इस आयोजन को भाजपा के 40वें स्थापना दिवस से जोडते हुए सोशल मीडिया पर जारी किए गए पोस्टरों से भी इस बात की तसदीक होती है। 22 अप्रैल को जब लोग जनता कर्फ्यू तोडकर सडकों पर निकल आए तो प्रधानमंत्री ने नाराजगी जताई थी लेकिन इस बार वे पूरी तरह खामोश रहे। इससे जाहिर होता है कि 22 मार्च की उनकी नाराजगी भी महज दिखावटी थी। कहने की जरूरत नहीं कि मानवता पर आए इतने बडे वैश्विक संकट की घडी में भी क्षुद्र राजनीतिक हित साधने के ऐसे उपक्रम की मिसाल दुनिया में और कहीं नहीं मिल सकती। **(संवाद)**

विचार

तालाबंदी कितनी हटे?

सभी लोग यह सोच रहे हैं कि 15 अप्रैल से तालाबंदी उठेगी या नहीं ? इस सवाल का जवाब हां या ना में, दोनों ही ठीक नहीं होगा। क्योंकि यह जारी रहती है तो देश के 60-70 करोड़ लोग बेरोजगार हो जाएंगे। वे अपनी रोजी-रोटी को तरस जाएंगे। सरकारें और समाजसेवी संस्थाएं उन्हें घर बैठे-बैठे कब तक खिला सकती हैं ? अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का कहना है कि भारत की सकल विकास दर 5 प्रतिशत से गिरकर 2 प्रतिशत तक हो सकती है। खेती, कल-कारखानों और व्यापार को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई में बरसों बीत जाएंगे। निराशा, उदासीनता और अंधकारमय भविष्य के डर से नागरिकों में जो मानसिक बीमारियां फैलेंगी, उनके कारण अपराधों में अपूर्व वृद्धि हो सकती है। तो क्या करें ? क्या तालाबंदी एकदम उठा ली जाए ? यह अब तक शायद उठा ली जाती लेकिन जमाते-तबलीगी की मेहरबानी से कोरोना अब गांव-गांव तक फैल गया है। जिस बीमारी ने शुरु में सिर्फविदेश-यात्रियों और उनके निकट लोगों को छुआ था, वह अब रिक्शावालों, रेहड़ीवालों और झोपड़पट्टीवालों तक फैल गई है। कुछ अकड़ और कुछ गलतफहमी के शिकार जमाती अब भी अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं। डर यही है कि यदि सरकारें तालाबंदी एकदम हटा लें तो कहीं भारत में भी इटली और अमेरिका-जैसा विस्फोट न हो जाए लेकिन सरकारों को यह भी देखना होगा कि यह तालाबंदी कहीं कोरोना से भी ज्यादा जानलेवा सिद्ध न हो जाए। इसीलिए बेहतर होगा कि सरकारें और आम जनता अतिवाद से बचे। मध्यम मार्ग अपनाए। अभी मुश्किल से दो दर्जन जिले सारे देश में ऐसे कोरोनाग्रस्त है, जिनमें पूर्ण कर्फ्यू लगाया जा सकता है। उनमें आना-जाना बिल्कुल बंद हो। लगभग 200 जिलों को आंशिक रुप से खोला जा सकता है और 400 जिले ऐसे हैं, जिनमें नागरिक सारी सावधानियां बरतते हुए अत्यंत अनिवार्य और अपरिहार्य काम करें। कोरोना की जांच राजस्थान के भीलवाड़ा-जैसी हो और सरकारी सख्ती दिल्ली-जैसी हो।

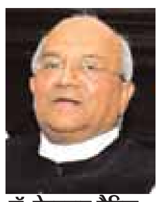

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मानव जीवन बचाने कोरोना को हराने जल्द वैक्सीन की दरकार ?

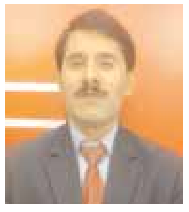

डॉ शिशिर उपाध्याय

कोविड-19 महामारी से कई मोर्चों पर लड़ाई जारी है। इसके इलाज का तरीका खोजना, इसके लिए कोई दवा या वैक्सीन बनाना आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इसके इलाज को लेकर अंधेरे में रोशनी की एक किरण अभी चिकित्साशास्त्रियों को प्लाज्मा थेरैपी या फिर मलेरिया की एक पुरानी दवा हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन में नजर आई है।

ऐंटिबॉडीज किसी व्यक्ति के शरीर में तब बननी शुरू होती हैं, जब वायरस उस पर अटैक करता है। लेकिन कोविड-19 में वायरस की ग्रोथ इतनी तेज होती है कि हर किसी में उसे परास्त करने लायक ऐंटिबॉडीज नहीं बन पातीं। हां, जो पेशंट कोरोना वायरस से लड़कर ठीक हो जाते हैं, उनके खून में ये लंबे समय तक प्रवाहित होती रहती हैं और उनका शरीर बीमारी के वायरस को पहचानकर उससे लड़ने के लिए तैयार रहता है। ऐसे मरीज बाकी बीमारों के लिए भी आशा लेकर आ सकते हैं।

बहरहाल, पूरी दुनिया में इसकी मांग अचानक बढ़ गई है। अमेरिका ही नहीं, इटली और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश भारत से यह दवाई जल्दी हासिल करने की उम्मीद में हैं। हमारे यहां मलेरिया का प्रकोप लंबे समय तक रहा और आज भी इसके करीब की कई बीमारियां भारत के लिए बड़ी समस्या बनी हुई हैं। ऐसे में इस दवा का सबसे बड़ा उत्पादक भारत के अलावा और कौन हो सकता था? कोरोना संकट को देखते हुए भारत ने इसके निर्यात पर कुछ समय पहले रोक लगा दी थी लेकिन अब इस दवा को लाइसेंस्ड कैटिगरी में डाल दिया है। यानी देश की अपनी जरूरत पूरी होने के बाद अगर ड्रग का स्टॉक सरप्लस है तो उसे निर्यात किया जा सकता है। बीमारी के इलाज में यह कितनी कारगर होती है, इसका पता इस्तेमाल के बाद ही चलेगा।

केरल देश का वह पहला राज्य हो गया है जो प्लाज्मा थेरैपी पर ट्रायल शुरू करने जा रहा है, हालांकि तुर्की में इस पर पहले से ही काम चल रहा है। इसके तहत कोरोना वायरस के संक्रमण के बाद ठीक हो चुके व्यक्ति से कुछ खून निकाल कर उसका प्लाज्मा बीमार व्यक्ति में इंजेक्ट कर दिया जाता है। देखा गया है कि पेशंट का इम्यून सिस्टम इंजेक्टेड प्लाज्मा में मौजूद ऐंटिबॉडीज की मदद से इनके जैसी और ऐंटिबॉडीज बनाना शुरू कर देता है। इसके अलावा कुछ विशेषज्ञों को हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन में काफी संभावनाएं दिख रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि कुछ मामलों में यह कोविड-19 के खिलाफ

कारगर हो सकती है। ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो ने तो एक वीडियो में यहां तक दावा कर दिया कि यह हर मरीज पर सही काम कर रही है। हालांकि फेसबुक ने उनकी इस टिप्पणी को गलत जानकारी फैलाने की श्रेणी में लेकर इसे हटा दिया। डॉनल्ड ट्रंप यह दवा भारत से हासिल करने के लिए धमकी की भाषा पर उतर आए। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन कोरोना के इलाज में कितनी प्रभावी है, इसे लेकर कोई ठोस प्रमाण मौजूद नहीं है।

विभिन्न दलों के संसदीय दल के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री की बैठक से यही स्पष्ट हुआ कि फिलहाल लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के अलावा और कोई उपाय नहीं है। हालांकि इस संदर्भ में कोई निर्णय प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ होने वाली बैठक के बाद ही होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई मुख्यमंत्री लॉकडाउन बढ़ाने का आग्रह कर चुके हैं और कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने की जो स्थिति है वह भी इसकी अनुमति नहीं देती कि 14 अप्रैल को देश को लॉकडाउन से मुक्त कर दिया जाए। अब जब लॉकडाउन की अवधि बढ़ना तय-सा माना जा रहा है तब फिर इस पर विचार आवश्यक हो गया है कि क्या देश के उन हिस्सों में कोई सशर्त ढील दी जाए जो कोरोना के संक्रमण से बचे हुए हैं और जहां यह अंदेशा नहीं है कि संक्रमण फैल सकता है? इस प्रश्न पर विचार इसलिए होना चाहिए, क्योंकि देश को लॉकडाउन की भारी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ रही है। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर करीब-करीब सारी कारोबारी गतिविधियां ठप हैं। इसके चलते केवल कारोबार जगत को ही नुकसान नहीं उठाना पड़ रहा, बल्कि कामगारों के सामने भी रोजी-रोटी का संकट गहरा रहा है। निःसंदेह ऐसे उपाय करने के साथ ही उन कारणों का निवारण भी प्राथमिकता के आधार पर करना होगा जिनके चलते कोरोना वायरस की चपेट में आने वालों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। यह शुभ संकेत नहीं कि बीते 24 घंटों में सात सौ से अधिक कोरोना मरीज मिले। इससे इन्कार नहीं कि हर दिन ज्यादा से ज्यादा लोगों के परीक्षण का काम तेज करने की जरूरत है, लेकिन इसके साथ ही समाज की ओर से ऐसा माहौल बनाना भी समय की मांग है कि कोरोना के संदिग्ध रोगी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए स्वेच्छा से आगे आएं। कोरोना वायरस की चपेट में आना गुनाह नहीं, लेकिन उसके संक्रमण को छिपाना आपराधिक लापरवाही के अलावा और कुछ नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

देश प्रधान देश हित सोचत बारम्बार सभी

देश प्रधान देश हित सोचत बारम्बार सभी जमाती साथ मिल करते आनाचार। थूकत आज जुबान जो उनको पट्टी बाँध औषधि ना इनको मिले चार लदे ये काँध। कहत अजय सुन ध्यान से लातन की ये जात लातन के भूतन सदा कैसे समझे बात। **कवि अजय मिश्रा**

शैक्षणिक संस्थानों से मिले संस्कार भी

शैक्षणिक संस्थानों से मिले संस्कार भी बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, आई आई टी रूड़की के छात्रों ने इस आपदा की घड़ी में देश को मज़बूती देने के लिए 'क्लोज़्ड लूप वेंटीलेटर' बनाया और छ्द्म ने जमातियों के समर्थन में पोस्टर लगाए। फिर आप पूछते हो हम इन्हें सवालों के घेरे में क्यूँ रखते हैं। **सचिन चौधरी**

खास पाती | चमन भी बेपरवाह था गुलों की महक

चमन भी बेपरवाह था गुलों की महक में, जाने कौन घड़ी लगी नज़र उस चहक में। तुम बुलबुल से पूछते रहे हाल चमन का, पता न था उसे आज ज़माने के चलन का। वो चमन यहां रहती थी चहल - पहल हरदम, वीरानों में गिनते हैं आज उसे वो बेरहम। कभी आंसू कभी उदास सी है चमन की सूरत, करके बर्बाद हुई जाने किसकी पूरी हसरत। पर बीता पतझड़ बहार आने को लगे आतुर, चमन के हौंसले भी आज दिखे कैसे बेहतर। चमन में बहारें अब सदा ही रहेंगी मेहरबां, ये चमन न दोहराएगा कभी बीती दास्तां। आज शौर है चमन में चारों और पंछियों का, चमन का दिल बाग - बाग हो उठा शुक्रिया सभी का। **कामनी गुप्ता, जम्मू**

व्यर्थ बोलने की अपेक्षा मौन

व्यर्थ बोलने की अपेक्षा मौन रहना अच्छा है, यह वाणी की प्रथम विशेषता है। सच बोलना वाणी की दूसरी विशेषता है। प्रिय बोलना वाणी की तीसरी विशेषता है और धर्मसम्मत बोलना वाणी की चौथी विशेषता है।
प्रेरणा त्यागी

जीवीका या जीवन !!एक के बिना

जीवीका या जीवन !!एक के बिना, दुसरा अक्षम..।। लेकिन,आज कोरोना महामारी से जीवन को बचाना हैं..। हम सबको अपने अपने घरों में ही रहना हैं।। सरकारें करेंगे मदद गरीबों व छोटे व्यवसायी का..। सुप्रीम कोर्ट ने भी भरोसा दिया.. स्वास्थ-केंद्र में मुफ्त होगा कोरोना परीक्षा। आओ हम सब, ईश्वर से प्रार्थना करें कोरोना को दुनिया से दूर करें । जीवन को स्वस्थ व सलामत रखें । **मितु घोष**

कोरोना को तो हम धूल चटा देते

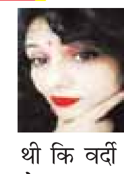

कोरोना को तो हम धूल चटा देते पर यहाँ भारतीयता कम और मजहबी सोच ज्यादा है। जमातियों की क्या औकात थी कि वर्दी पर थूक जाते, अगर उन के सर पर काफिरों का हाथ नही होता। मरना है तो देश के लिए मरो, ये बीमारी फैला कर कौन सी हूरो को न्यौता भेज रहे। शर्मिंदा है देश। **संध्या चतुर्वेदी**

तोडा था जैसे कभी,रावण का अभिमान

तोडा था जैसे कभी,रावण का अभिमान! कोरोना के दंभ को, तोड़े प्रभु हनुमान! लगता भारी काम भी, .वहाँ हमे आसान! बस जाते दिल मे जहाँ,एक बार हनुमान! भक्तों से जिनके रहें,राजी शनि भगवान! भक्ति शक्ति के देवता, रामदूत हनुमान! प्राणों मे माँ जानकी, मन में प्रभु श्री राम! कंठ बसे हनुमान जी,यह तन प्रभु का धाम !! **रमेश शर्मा**

बैठ के घर में होगये बोर पसरा

बैठ के घर में होगये बोर पसरा सन्नाटा चहुँ ओर आसमान सच में नीला है पता चला होते ही भोर रंग-बिरंगी चिड़ियाँ चहके कोयल की सुनती अब कूक नहीं फैलती ये महामारी जो ना होती किसी से चूक पहिया तो चलता ही अच्छा रुक जाए तो लागे जंग लेकिन अब तो उड़े हुए हैं। सबके चेहरों के ही रंग कुदरत का अपना अनुशासन किसी और का चले ना शासन सीख सबों को लेनी होगी दें सहयोग तो चले प्रशासन। **जे डी कुदाल**

किसी ने बिल्कुल सही कहा है

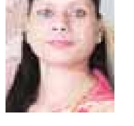

किसी ने बिल्कुल सही कहा है समय और हालात कभी भी, कहीं भी बदल सकते है. अब देखिये कल तक निकटता प्रेम का प्रतीक थी..और आज दूरियाँ प्यार और परवाह की परिचायक है..।**अरूणा राव**

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) संसार की सबसे बड़ी कंक्रीट संरचना माना जाने वाला 'थ्री गॉजिज डैम' निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है?
(क) चीन (ख) ताईवान
(ग) मलेशिया (घ) थाईलैंड

2) समुद्री जल, स्वच्छ वायु आदि को अर्थशास्त्र में माना जाता है? (गिफन वस्तुएं / नैसर्गिक वस्तुएं)

3) अमेरिकी संघ का पचासवाँ राज्य बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने अलास्का किस देश से खरीदा था?

4) मौसम विज्ञान संबंधी प्रेक्षण के लिए किस गैस को गुब्बारों में भरने में उपयोग किया जाता है?

5) व्यक्ति का नाम बताए जो दूसरे कार्यकाल के लिए किस राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली?

उत्तरमाला-(1) चीन (2) नैसर्गिक वस्तुएं (3) रूस (4)
हीलियम (5) पेमा खांडू और अरुणाचल प्रदेश

आज का इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में 11 अप्रैल की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैः- 1713 - ब्रिटेन और फ्रांस के बीच यूट्रेक्ट की दूसरी संधि ने स्पेनिश उत्तराधिकार का युद्ध समाप्त कर दिया। 1827 - भारत के महान विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी ज्योतिबा फुले का जन्म। 1869 - महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का जन्म। 1881 - अमेरिका के अटलांटा में स्पेलमान कॉलेज की स्थापना की गयी। 1887 - प्रसिद्ध चित्रकार जैमिनी रॉय का जन्म। 1904 - प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता एवं गायक कुन्दन लाल सहगल का जन्म। 1914 - एक पेशेवर आर्किटेक्चर बंधुओं अल्फा रो ची ने शिकागो में होटल शेरमेन की स्थापना की। 1915 - चार्ली चैपलिन की फिल्म द ट्रम्प को जारी किया गया।

राहत सामग्री के थैले में सियासी मार्का, पार्षदों ने किया विरोध

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। एक ओर जहा कोरोना वायरस के कारण देशव्यापी लॉक डाउन से मुसीबत में फसे दिहाड़ी मजदूर ,राशन कार्ड नही होने व गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले आम जन के लिए केंद्र, राज्य व नगरीय निकाय सरकार सहित कई सामाजिक संस्थाएं युध्द स्तर पर प्रयास कर रही है। किन्तु इन बातों के विपरीत जिले के एक मात्र नगरीय क्षेत्र चिरमिरी में नगर पालिक निगम के सौजन्य द्वारा पंजा छाप झोले में राशन बांटे जाने से जमकर बवाल हो रहा है। इसे लेकर समर्थक व आमजन सोशल मीडिया में अलग अलग तरह के पोस्ट कर रहे है व आपस मे भिड़ रहे है वही निगम में बैठे अधिकारियों को इसकी जानकारी भी नही जो कि समझ से परे है ।

मिली जानकारी अनुशार इस मामले में भाजपा के सभी 13 पार्षदों ने नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में चिरमिरी नगर पालिक निगम के आयुक्त को एक पत्र देकर पूरे मामले में कार्यवाही की मांग की है व कार्यवाही नही होने पर आगामी 11 अप्रैल को सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए निगम कार्यालय के सामने एक दिवसीय अनशन करने की चेतावनी दी है।

वहीं मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने उपरोक्त झोले को ब्लाक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी द्वारा देने की बात कहते हुए कहा है कि यदि उन्हें भाजपा के लोग अपना मोनो लगा झोला देते है तो वे उसमें भी राशन बटवाने के लिए तैयार है। हमारे लिए मुख्य मुद्दा जरूरतमंदों तक राशन पहुँचाना है, झोला नही।

वही निगम में नकली सेनेटाइजर वितरण का मामला अभी ठंडा भी नही हुआ कि निगम चिरमिरी में अब जरूरत मंद व्यक्तियों को राशन बाटने के लिए पंजा छाप झोले का मुद्दा पार्षदों सहित सोसल मीडिया में सुर्खियों का मुद्दा बना हुआ है जहा अब इसे लेकर पार्षदों में भी आरोप प्रत्यारोप शुरू हो चुका है वही निगम के अधिकारी इस तरह का झोला बनवाने से इंकार कर रहे वही जाच के पश्चात ही इस मसले में कुछ भी कहने की बात कह रहे।

न्यूज गैलरी

विधानसभा अध्यक्ष प्रतिनिधियों को कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए आगे आने की अपील की

सक्ती। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सामाजिक उत्तदायित्व को लेकर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को पत्र लिखकर कोरोना संक्रमण के

रोकथाम के लिये आगे आने की अपील की तथा अपने पत्र में लिखा है कि आशा है कि आप सपरिवार अपने ईष्टगण, मित्रों और गांव वालों के साथ स्वस्थ एवं सुरक्षित होगें, कोरना की महामारी से आप सब अवगत ही है । शासन द्वारा इसके बचाव और रोकथाम के लिए सराहनीय प्रयास किए जा रहे है । साथ ही सेवाभावी व्यक्तियों एवं सगठनों के द्वारा भी स्वेच्छापूर्वक धन राशि अथवा सामग्री के स्वरूप में जनकल्याण हेतु सहयोग दिया जा रहा है । मैं इस संदर्भ में आप सबसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं आप भी अपने सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूक रहे । ग्रामीण स्तर पर भाई-बहनों को इस बीमारी से बचाव के लिए जागरूक करते रहे, लोगों को समझाइश दें कि शासन वे शासन के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं । आप स्वयं और अपने सहयोगियों की सहायता से कृप्या यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि आपके गांव में और आसपास के इलाकों में कोई भी ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं से वंचित ना हो । गरीब, पीड़ित, निराश्रित, दिव्यांग एवं जिनकी देखरेख करने वाला कोई ना हो, ऐसे व्यक्तियों की देखरेख पोशण और सामाजिक सुरक्षा की जिम्मेदारी कृप्या आप अपने कंधों पर लें । इस हेतु निःसंकोच संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से तत्काल संपर्क कर आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकते हे ।

जिला पुनर्वास समिति द्वारा अनुशंसित पश्चात पीड़ित व्यक्ति को सहायता राशि जारी

बीजापुर। छग शासन द्वारा नक्सली पीड़ित व्यक्तियों की सुरक्षा एवं पुर्नवास के लिए स्वीकृत पुर्नरीक्षित कार्ययोजना के आदेशानुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के.डी. कुंजाम द्वारा नक्सली हिंसा में किसी व्यक्ति की सम्पत्ति को आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से क्षति होने पर दी जाने वाली सहायता राशि अन्तर्गत जिला पुनर्वास समिति द्वारा अनुशंसित पश्चात पीड़ित व्यक्ति कुमारी रिंकी हेमला पिता आयतु हेमला साकिन हल्लूर तहसील बीजापुर को नक्सली मुठभेड़ में गोली लगने से गंभीर घायल, साई कश्यप पिता बुदरू कश्यप, उषाराम नेताम पिता कलमू नेताम, धनीराम कश्यप पिता स्व पोसे राम को साकिन पाहुरनार जिला दन्तेवाड़ा को नक्सलियों द्वारा पीटने पर गंभीर घायल होने पर 01-01 लाख रूपये की कुल 04 लाख रूपये की राहत/सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

अंचल में धड़ल्ले से हो रही अवैध शराब की बिक्री

मुंगेली। जहां जिले सहित पुरे नगर में लाकडाउन का असर देखने को मिल रहा है, सडके सूनी और दुकाने बंद नजर आ रही है वही कुछ जगहो पर गाहे बहागे शराब दुकान खुलने की अपुष्ट खबरे भी आ रही है वही कोचियों के पौ बारह हो गई है, औने पौने में शराब की बिक्री नगर सहित ग्रामीण अंचलों में धडल्ले से हो रही है, जिस पर न तो आबकारी विभाग की नजर जा रही है और न ही अब तक विभाग द्वारा कोई बडी कार्यवाही की जानकारी अब तक मिली है ।

मनरेगा कार्यों में मजदूर उड़ा रहे सोशल डिस्टेन्सिग की धज्जियां

संजय लिखितकर

भोपालपटनम। बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील के ग्राम पंचायत में मनरेगा में कार्यरत मजदूर सोशल डिस्टेशन की धज्जियां उड़ा रहे हैं किन्तु विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी या अधिकारी अपने कर्तव्य के प्रति गंभीर नहीं है, शायद संक्रमित बीमारी को आमंत्रण दे रहे हो. ऐसा प्रतीत होता है. ज्ञात हो कि क्षेत्र से कई मजदूर अन्य राज्यों में मजदूरी करने गए थे जिन्हें स्वास्थ्य विभाग ने होम क्वारेनटाईन में रखा है. अगर इसको

नजरदांज करना, लोगों के लिए घातक हो सकता है?

भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम पंचायत- वरदली व दम्मूर में जल संसाधन विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत नहर निर्माण कराया जा रहा है जो कि शासन व प्रशासन के आदेश पर किया जा रहा है जिसमें सैकड़ों मजदूर कार्यरत हैं. जिनके पास ना तो मास्क है ना ही सेनीटाईजर और ना सोशल डिस्टेन्सिग का पालन हो रहा है. केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कोरोना वायरस जैसे संक्रमित बीमारी के लिए संपूर्ण देश में सामाजिक दूरी बनाए रखने की सख्त कदम उठाने का बीड़ा उठाया. जिसका पूरे देश में पालन हो रहा है. साथ ही हमारे जिले का सुरक्षा व स्वास्थ्य विभाग के अलावा जिले के उच्च अधिकारी भी जिले को इस बीमारी से बचाने के लिए रात - दिन लोगों को जागरूक करने में लगे हैं किन्तु जल संसाधन विभाग द्वारा इसको नजर अंदाज करना समझ से परे है? ज्ञात हो कि इसी क्षेत्र के लगभग 30 से 40 मजदूर मिर्ची तोड़ने के पड़ोसी राज्य तेलंगाना गए थे. लाकडाउन के चलते वो अपने गृह ग्राम में आए. जैसे ही स्वास्थ्य विभाग को को पता चला तो उन्होंने तत्काल होम क्वारेनटाईन में रखा. हो सकता है कि कुछ मजदूर चोरी छिपे अपने ग्राम में पहुंचे और मनरेगा में मजदूरी के लिए इन मजदूर के साथ काम कर रहे हो? संज्ञान लेने की बात है कि यह ग्राम पंचायत महाराष्ट्र की सीमा से लगा है. इंद्रावती नदी से सटा है . जहां पर सुरक्षा लगाना संभव नहीं. जिससे कि एक राज्य से दूसरे राज्य में आना धड़ल्ले लगा रहता है. ज्ञात हो कि भोपालपटनम तहसील महाराष्ट्र व तेलंगाना सीमा से लगा है जबकि इन्ही राज्य में कोरोना वायरस से पीड़ितों की संख्या अधिक है. जहाँ कार्य चल रहा वहा पर मजदरो से पुछा कि आप लोगो मास्क आदि उपयोग क्यों नहीं कर रहे हो? वो चुपचाप रहे कोई भी मजदूर बोलने को तैयार नहीं. वहा पर जल संसाधन विभाग के कर्मचारी व सुपरवाइजर ने कहा कि ÷ हमने तो मजदूरों को मास्क आदि दिया है किन्तु मजदूर इसका उपयोग ही नहीं कर रहे हैं. हम लोग बोल - बोल कर थक गए. ये मजदूर लगाते नहीं तो हम क्या करे? ऐसे ही जिले में बैठे जल संसाधन विभाग के उच्चाधिकारी का कहना है।

आखिर इन मजदूर जो

जिनके पास राशन कार्ड नहीं है उनके लिए दो क्विंटल चांवल मुहैया कराया गया

नवप्रदेश संवाददाता

सक्ती। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने लॉकडाउन होने के कारण छ.ग. के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खाद्यन्न योनांतर्गत छत्तीसगढ़ के बी.पी.एल. राशन कार्डधारियों को 2 माह का निःशुल्क चॉवल वितरण करने का निर्देश दिया था । सक्ती विधानसभा के विधायक एवं छ.ग. विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कलेक्टर जे.पी.पाठक को निर्देशित किया था कि क्षेत्र के लोगों को पात्रतानुसार राशन सामाग्री मिले तथा जिनके पास राशन कार्ड नही है जिन्हें ग्राम पंचायत के सरपंच को 2 क्विंटल चॉवल मुहैय्या कराया गया है कोई भी भूखा न रहे इस उद्देश्य को लेकर कलेक्टर को निर्देशित किया था । इस तारतम्य में कलेक्टर जे.पी. पाठक ने विशेष रूचि लेकर खाद्य वितरण की जानकारी हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कोरोना संक्रमण के नोडल अधिकारी तीर्थराज अग्रवाल को सक्ती भेजकर जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत सभी राशन दुकानों का खाद्य वितरण सही ढंग से हो इस उद्देश्य से जांच परीक्षण कराने के निर्देश दिये थे । विदित हो कि विगत कई दिनों राशन सामाग्री में अफरा तफरी तथा अधिक दर पर बेचे जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी । जिस संबंध में तीर्थराज अग्रवाल ने नगर पालिका कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ. सुभाष राज एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सक्ती, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, तहसीलदार एवं अन्य खाद्यान्न वितरण में लगे अधिकारियों की शिकायत प्राप्त राशन दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया । निरीक्षण हेतु तहसीलदार के नेतृत्व में एक टीम बनाकर सभी राशन दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है।

> जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही कोई कहा जा सकता है ।
>
> **डॉ. सुभाष राज,** अनुविभागीय अधिकारी राजस्व

कोटाडोल पहुंचे विधायक कमरो अस्पताल का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य व पुलिस कर्मियों को दिया मास्क व सेनेटाइजर

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सोनहत भरतपुर विधानसभा छेत्र के विधायक गुलाब कमरो दुरस्थ वनांचल क्षेत्र कोटाडोल पहुचे, कोटाडोल पहुँचकर उन्होंने थाना ,बैरियर व हास्पिटल का निरीक्षण किया इस दौरान अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेकर संक्रमण से बचने स्वास्थ्य कर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरण किया ,

इस दौरान विधायक ने कोटाडोल थाना प्रभारी से मुलाकात कर लाक डाउन का सही तरीके से पालन कराने के साथ ही क्षेत्र में बाहर से आने जाने वालों पर सतत निगरानी,लॉक डाउन का पालन करने अन्य आवश्यक जानकारी लेकर सेवा में लगे जवानों का हौसला अफजाई किया और स्टाफ को माक्स व सेनिटाइजर विरतण किया ।

बहरासी के अस्पताल में भी दिया सेनेटाइजर: विधायक गुलाब कमरो ने दुरस्थ वनांचल क्षेत्र बहरासी में आमजनों,बैंक कर्मचारियों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ को सेटिनाइजर व माक्स वितरण कर लॉक डाउन का पालन कर शासन प्रशासन का सहयोग करने की अपील इस दौरान आसपास के ग्रामीण अंचलो में भी विधायक ने सभी बैरियरों में तैनात कर्मियों को सेनेटाइजर वितरण किया और सभी स्टाफ को सेवा भाव से कार्य करने किया निवेदन।

विधायक द्वारा प्रदत्त सहायता राशि

तहसीलदार ने जरूरतमंदों को खाद्य सामाग्री उपलब्ध कराया

सक्ती। रोज कमाने वालों के लिये गल्ला किराना संघ द्वारा इस महामारी बिमारी जहां शासन ने लॉकडाउन कर दिया है तो गल्ला किराना संघ द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एव नायब तहसीलदार शिव कुमार डनसेना के माध्यम से जरूरतमंदों को खाद्य सामाग्री उपलब्ध करायी है गल्ला किराना संघ के अध्यक्ष सुनील बसंल, सचिव विजय डालमिया ने बताया कि अनाज बैंक में 200 किलो आलू, प्याज 40 किलो, नमक 50 किलो, तेल 120 पैकेट, चॉवल 300 किलो 12 कट्टा, राहल दाल 90 किलो, सोयाबीन की बडी 60 किलो तथा ऑटा आदि गल्ला किराना संघ द्वारा अनाज बैंक में जमा करवाया गया । आसपास के अंचल में जरूरतमंदों के लिये दिया गया । गल्ला किराना संघ के सदस्य सुनील गोयल, गोपाल अग्रवाल, अमन अग्रवाल के अलावा अन्य सदस्यगण के सहयोग से दिया गया ।

कृषि मशीनरी, ट्रक मरम्मत की दुकान सहित अनेक सेवाओं को लॉकडाऊन के प्रभाव से मिली छूट

बीजापुर। जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश, कोरोना वायरस कोविड -19 के संभावित संक्रमण के नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के डी कुजाम ने लॉक डाउन के प्रभाव से कतिपय आवश्यक सेवाओं, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों में छूट प्रदान करने का आदेश जारी किया है, जिसमें कृषि मशीनरी एवं उपकरण सहित विभिन्न सेवाओं में शर्तानुसार छूट प्रदान की गई है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने आज आदेश जारी किया, जिसमें उल्लेख किया गया है कि कृषि मशीनरी तथा कृषि उत्पाद से संबंधित दुकान के साथ कृषि मशीनरी विक्रय, इससे संबंधित स्पेयर पार्टस एवं मरम्मत की दुकानों (सप्लाई चेन सहित) को खुला रखा जाएगा। इसके अलावा राज्यमार्गों पर ट्रकों की मरम्मत हेतु दुकानें जो यथासंभव पेट्रोल पम्पों या उसके आसपास स्थित हो। साथ ही अस्पताल, वेटनरी अस्पताल एवं उससे जुड़ीं समस्त स्थापनाएं जिनमें मेडिकल सप्लाई, उसका विनिर्माण एवं वितरण सम्मिलित है, निजी एवं शासकीय/ अर्द्धशासकीय क्षेत्र की डिस्पेंसरी, दवा, केमिस्ट, फार्मेसी (जनऔषधि केन्द्र सहित), मेडिकल इक्विपमेंट दुकान, लैब, दवा रिसर्च लैब, क्लीनिक, नर्सिंग होम, एम्बुलेंस, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की सेवाएं संचालित रहेंगी। साथ ही चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ सहित सभी प्रकार के चिकित्सीय कार्य में कार्यरत स्टाफ एवं सहायक सेवाएं संबंधित व्यक्तियों के परिवहन की अनुमति प्रदान की गई है। जिला दण्डाधिकारी ने आदेश में कहा है कि चिकित्सा आक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए चिकित्सा क्षेत्र की संचालित सेवाओं में कतिपय सेवाएं भी जोड़ी गई हैं।

सेतगंगा में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक सील

मुंगेली। जिले मे अवैध रूप से संचालित चिकित्सा प्रतिष्ठानों (क्लिनिको) की अब खैर नही होगी । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर अनुविभागीय दंडाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कार्य पालिक दंडाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से जिले मे संचालित चिकित्सा प्रतिष्ठानों (क्लिनिको) की नियमित और आकस्मिक जॉच की जा रही है। जॉच में अवैध पाये गये चिकित्सा प्रतिष्ठानों (क्लिनिको) के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज जिला नोड़ल अधिकारी डॉ. सुरेश रात्रे, नायब तहसीलदार एवं कार्य पालिक दंडाधिकारी उमाकांत जायसवाल और नर्सिंग होम एक्ट के तहत नियुक्त प्रभारी लिपिक योगेंद्र भास्कर द्वारा जिले के सेतगंगा के डॉ. रामजी शर्मा एवं दूजराम देवांगन के द्वारा उनके घर में संचालित क्लिनिक में दबिश दी गई । दबिश के दौरान क्लिनिक पर अवैध रूप से एलोपैथिक दवाईयां पाई गई जिसे जप्त कर उनके घर में संचालित क्लिनिक को सील किया गया और संबंधित को चिकित्सकीय कार्य बंद करने के निर्देश दिये गये।

मुंगेली - कोरोना की रोकथाम के लिए लागू लॉक डाउन ने दैनिक रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले परिवारों, निःशक्तजनों, आश्रयहीन लोगों के समक्ष भोजन और राशन की समस्या खड़ी कर दी है। ऐसे लोगों को भोजन की दिक्कत न हो इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर रायपुर शहर में 'डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान' की शुरूआत की गई है। इस अभियान में जरूरतमंदों के घर तक राशन पहुचाया जा रहा है। इस कार्य में अनेक समाज सेवी संस्थाएं और सामाजिक संगठन भी इस काम में बढ़-चढ़ कर हाथ बटा रही है।

मानवता से भरे इस अभियान को लोगों की ओर से अच्छा सहयोग मिल रहा है। स्वस्फूर्त ढंग से सामाजिक संस्थाएं इस कार्य में आगे आ रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा घर-घर लोगों से सूखा राशन एकत्र भी किया जा रहा है। इस कार्य में कोई भी नागरिक अपनी सहभागिता निभा सकता है। जिला प्रशासन रायपुर द्वारा जरूरतमंदों की सहायता के इच्छुक दानदाताओं से राशन सामग्री के पैकेट एकत्र कर उन्हें जरूरमंद लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

दान दाताओं से राशन सामग्री के पैकेट एकत्र करने के लिए छह वाहन लगाए गए हैं। इन्हें शहर के मोहल्लों और कॉलोनियों में राशन सामग्री एकत्र करने भेजे जा रहे हैं। सामाजिक संस्थाओं, आम नागरिकों और दानदाताओं से कहा गया है कि वे राशन सामग्री के पैकेट तैयार कर अपने घर में रखें और जिला प्रशासन को सूचित करें। जिला प्रशासन द्वारा वाहन भेजकर इसे एकत्र कर जरूरत मंदों को वितरित करने का काम किया जाएगा।

खाद्यान्न सामग्री दान करने के इच्छुक व्यक्तियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा दो मोबाइल नम्बर जारी किए गए हैं। इन नम्बरों पर सम्पर्क कर 'डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान' के वाहनों के दिनवार और समयवार मोहल्लों में भ्रमण के रूट चार्ट की जानकारी हासिल की जा सकती है। निर्धारित तिथि और समय में ये वाहन पूर्व निर्धारित मोहल्लों में जाएंगे और जो लोग राशन सामग्री के पैकेट देना चाहे वे इन वाहनों में दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कल स्वयं इस अभियान के लिए राशन सामग्री के 500 पैकेट और 11 हजार रूपए की सहायता राशि जिला प्रशासन को सौंपी। दानदाता 5 किलोग्राम चावल, 2 किलोग्राम आटा, आधा किलोग्राम दाल, आधा किलोग्राम नमक व एक नग साबुन शामिल कर राशन पैकेट तैयार कर सकते हैं।

स्व-सहायता समूह की दीदियों की आरती उतार दिया गया सम्मान

मुंगेली। एक तरफजहां विश्व वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की चपेट मे है। वही इस समाज मे कुछ ऐसे भी लोग है ,जो स्वयं सुरक्षित रह कर समाज की सुरक्षा के लिए समर्पण की भावना से कार्य कर रही है। ऐसे है जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत स्वसहायता समूह की तीन हजार एक सौ दीदियां ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अन्तरगत स्वसहायता समूह की इन दीदियां द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत सालिड़ बेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत गांव को स्वच्छ रखने और कचरा प्रबंधन से आजीविका मे वृद्धि के साथ-साथ लॉकडाउन को सफल बनाने मे सहयोग भी प्रदान कर रही है। जिसके तहत इन दीदियों द्वारा मास्क निर्माण कर मात्र दस रूपये प्रति मास्क की दर से सामाजिक दूरियों (सोशल डिस्टेसिंग) को ध्यान मे रखकर लोगों को उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा इन दीदियों द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी के तहत भारत सरकार, राज्यशासन और जिला प्रशासन द्वारा जारी गाईड लाईन और एडवाजरी के तहत कार्य की जा रही है। जिसकी मुक्त कंठ से सराहना की जा रही है। इसी तारतम्य में विगत दिनों विकास खण्ड लोरमी के स्वसहायता समूह की दीदियों का आरती और माला फूल माला पहेनाकर सम्मानित किया गया । उल्लेखनीय है कि मुंगेली जिले के विकास खण्ड लोरमी में 2 हजार 223 विकास खण्ड मुंगेली मे 536 और विकास खण्ड पथरिया में 514 स्वसहायता समूह की दीदियां कार्यरत् है।

संकल्प, संयम, सावधानी से जीतेंगे हम सब

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पत्रकारों से की चर्चा, सामाजिक संगठनों और मीडिया की सराहना की

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस संक्रमण के फैलाव को रोकने की कवायद में जुटी सरकार की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान राज्य शासन के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों, मीडिया ने अच्छा काम किया है।

सरकारी आदेश को आम जनता तक पहुंचाने में हम सफल हुए। उन्होंने कहा कि देश से कोरोना मिटाने के लिए हमें संकल्प, संयम और सावधानी पर खास ध्यान देना होगा। कोरोना आपदा के बीच सरकार के कामकाज को बताते हए उन्होंने कहा कि हम गरीब परिवारों को दो महीने का राशन एक साथ दे रहे हैं। 40-45 लाख परिवारों तक राशन पहुंच गया है। अब वितरण का काम समाप्ति की ओर है। इसके वितरण में शिकायतें भी नहीं मिली है। जिनके राशन कार्ड नहीं बने थे। उन्हें भी चावल उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में महुआ बिनने, इमली तोड़ने का काम चल रहा है। इसके विक्रय करने में परेशानी हो रही थी। वन समितियों और स्व सहायता समूहों के जरिए खरीदी की व्यवस्थआ की गई है। यह अपने आप में उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कभी 100 फीसदी लॉकडाउन नहीं किया गया। कटघोरा के हॉटस्पाट बनने के बाद संवेदनशील क्षेत्र को लॉकडाउन किया गया है। उन्होंने लॉकडाउन के बारे में 12 अप्रैल को कैबिनेट में चर्चा करने की बात कही है।

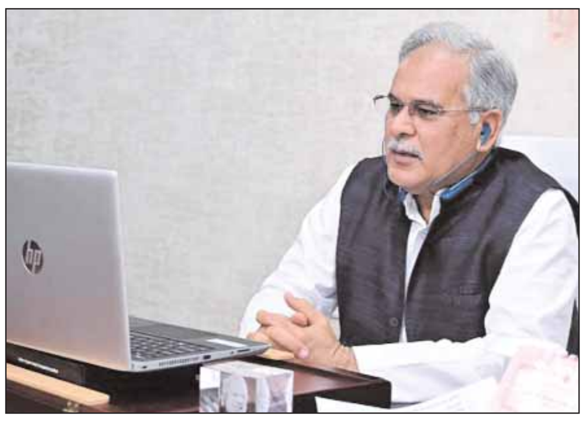

आंध्र प्रदेश एसआईबी रिपोर्ट से कंफ्यूजन

सीएम बघेल ने दिल्ली के निजामुद्दीन के कार्यक्रम मामले में छत्तीसगढ़ सरकार पर उठ रहे सवालों को स्पष्ट किया। उन्होंने सारे कंफ्यूजन की वजह आंध्र प्रदेश की एसआईबी रिपोर्ट को बताया है। उन्होंने कहा प्रदेश में सिर्फ 107 लोग आये थे, उन सभी को चिन्हित कर लिया गया है, उन्हें क्वारंटाइन में रखा गया है। 159 की संख्या को लेकर भ्रम की स्थिति आंध्र प्रदेश की एसआईबी रिपोर्ट के आधार पर फैली है, लेकिन ये संख्या सही नहीं है। प्रदेश में सिर्फ 107 ही लोग आये थे और उन सभी की पहचान हो गयी है सभी को क्वारंटाईन कर लिया गया है। बता दें कि निजामुद्दीन के कार्यक्रम की संख्या को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर की गयी थी। चर्चा इस बात की थी कि प्रदेश में वहां से लौट 52 लोगों का कोई पता नहीं चल पा रहा है, सिर्फ 107 लोगों को ही राज्य सरकार अभी ढूंढ पायी है।

कटाक्ष : सोशल नहीं फिजिकल डिस्टेंसिंग है जरूरी

कोरोना को लेकर बचाव के लिए केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल डिस्टेंसिंग वाला नारा बुलंद किया है। सीएम भूपेश बघेल ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि सोशल डिस्टेंसिंग से काम नहीं चलेगा बल्कि फिजिकल डिस्टेंसिंग पर ध्यान देना होगा लोगों को। कोरोना के खिलाफ सोशल डिस्टेंसिंग से आगे बढ़कर अब फिजिकल डिस्टेंसिंग की जरूरत है, फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाने में अगर हम कामयाब हुए, निश्चित ही हम कोरोना के खिलाफ बड़ी लड़ाई जीतने में कामयाब होंगे। हमें इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कोरोना को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से किये जा रहे उपायों और निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कोरोना से बड़ी ही सक्रियता से निपट रहा है। प्रदेश में जो अब तक 18 संक्रमित मरीज मिले थे, उनमें से 9 अभी तक ठीक होकर घर लौट चुके हैं। उन्होंने इस आपदा में सहयोग कर रहे संगठनों, वालेंटियर्स और मीडिया का भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि देश से कोरोना मिटाने के लिए हमें संकल्प, संयम और सावधानी पर खास ध्यान देना होगा।

न्यूज गैलरी

राजेंद्र नगर में जुआ खेलते 5 गिरफ्तार

रायपुर। लाकडाउन के दौरान शहर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात सराफा कारोबारियों को जुआ खेलते पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा है। घटना की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी संजय पुंढीर ने बताया कि राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आम्रपाली सोसाइटी स्थित कमलेश जैन के मकान में जुआ खेलते हुए 5 कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है तथा लगभग 5 लाख रुपए भी जब्त किए गए है। पुलिस को देखते ही कारोबारी हड़बड़ा कर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के बाद फोर्स के साथ जैन के मकान को घेरकर , मकान के भीतर तलाशी लेने पर नोटों के बंडल सहित ताश के पत्ते भी मिले।

4 लाख 95 हजार 750 रुपये जब्त

जमीन विवाद पर जान से मारने की धमकी

रायपुर। जायदाद संबंधी विवाद के चलते आये दिन लोगों के घरेलू विवाद में कभी-कभी आक्रामक स्थिति पैदा हो जाती है। वहीं जायदाद के सौदे भी आये दिन विवाद का कारण बनते हैं। मंदिर हसौद थाने से मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती वंदना कुर्रे आयु 23 वर्ष पति डिलेश्वर कुर्रे निवासी ग्राम कोटनी मंदिर हसौद को जबरिया जमीन संबंधी विवाद को बढ़ाते हुए श्रीमती रंजीता माखीजा आयु 38 वर्ष पति सुंदर माखीजा देव अविनाश माखीजा, साहित माखीजा एवं उसके रिश्तेदारों ने सौंदा संबंधी विवाद पर प्रार्थिया की पिटाई करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। वहीं श्रीमती रंजना माखीजा पति संजय माखीजा ने डिलेश्वर कुर्रे एवं वंदना कुर्रे निवासी कोटनी मंदिर हसौद के खिलाफ उनके साथ अवैधानिक रूप से की गई पिटाई की रिपोर्ट दर्ज करायी है।

लॉकडाऊन का उल्लंघन करने वाले 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर। प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान एक जगह एकत्र हुए 16 लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। रतनपुर पुलिस ने एकत्रित हुए 16 लोगों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध दर्ज किया है। बिना किसी जरूरी कारण के एक व्यक्ति के भी बाहर निकलने के साथ धार्मिक जगहों में लोगों के इकट्ठा होने पर भी पाबंदी लगाई गई है। लेकिन इन सभी नियमों को नजरअंदाज कर दरगाह में 16 लोग एकत्र हो गए और वो भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किए बगैर। पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली तो सभी 16 लोगों के खिलाफ शासन के आदेश का उल्लंघन करने के मामले में अपराध दर्ज किया है।

भाजपा विधायक देंगे मुख्यमंत्री आपदा कोष में सहायता

नवप्रदेश संवाददाता

हर पार्टी विधायक 11-11 लाख के साथ वार्षिक वेतन का 30 प्रति. देंगे

रायपुर। देर से ही सहीं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के सभी विधायक मुख्यमंत्री आपदा कोष में 11-11 लाख रुपए बतौर सहायता राशि देंगे। इसका ऐलान आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व्दारा फोन पर नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक समेत सभी विधायकों से फोन पर चर्चा के बाद किया गया। नेताप्रतिपक्ष श्री कौशिक ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ के भाजपा विधायकों व्दारा मूल वेतन का 30 प्रतिशत का अंश यानि कि एक वर्ष के लिए मुख्यमंत्री आपदा कोष में जमा कराएंगे। यही नहीं प्रधानमंत्री केयर फंड में भाजपा के सभी विधायक एक महीने का वेतन भी जमा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिपक्ष के नेता, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह सहित अनेक विधायकों से की रायशुमारी किए। उन्हों ने लॉक़ डाउन की मियादी तारीख 14 अप्रैल के बाद की स्थिति पर भी चर्चा की। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए भाजपा विधायक दल ने यह फैसला लिया है कि वह अपने वेतन का तीस प्रतिशत हिस्सा एक वर्ष के लिए मुख्यमंत्री आपदा कोष में देंगे। साथ ही प्रदेश में कोरोना की स्थिति को देखते हुए यह भी फैसला लिया गया है कि सभी विधायक अपने विधायक विकास निधि फंड से 11-11 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री आपदा कोष में जमा करेंगे। प्रदेश के सभी भाजपा विधायकों ने अपने एक माह का वेतन प्रधानमंत्री केयर फंड में जमा करने का फैसला लिया है।

छत्तीसगढ़ में सात नए कोरोना पीड़ित मरीजों के सामने आने के बाद अफसरों की बढ़ी परेशानी

- कल पीएम देश के सभी सीएम से करेंगे वीडियो कान्फ्रेंस
- 12 अप्रैल को सीएम लेंगे मंत्रिमंडल, वरिष्ठ अफसरों की बैठक

रायपुर। कोरोना मुक्त राज्य की दिशा में सबसे आगे चल रहे छत्तीसगढ़ में अचानक गुरूवार दोपहर बाद सात नए मरीजों के सामने आने के बाद से ही शासन-प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। राज्य शासन ने कटघोरा इलाके के साथ ही आसपास के इलाकों को पूरी तरह से सील कर दिया है। वहीं कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ होने वाले वीडियो कान्फ्रेसिंग में मुख्यमंत्री राज्य के हालातों के संबंध में जानकारी देंगे। इसके पश्चात 12 अप्रैल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ ही आला अफसरों की एक बैठक लेने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य अब तक कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के मामले में सबसे आगे चल रहा था। पूरे देश में एकलौता छत्तीसगढ़ राज्य ऐसा था जहां कोरोना संक्रमण से पीड़ित मरीज सबसे पहले स्वस्थ्य होकर अपने-अपने घर पहुंचे थे। राज्य शासन के मुखिया भूपेश बघेल भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम और जरूरतमंदों तक हर संभव प्रयास पहुंचाने के लिए स्वयं फिल्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। 09 अप्रैल के दोपहर तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में नजर आ रही थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिस तरह से त्वरित कदम उठाते हुए तथा ठोस निर्णय लेकर कोरोना संक्रमण के खिलाफ अभियान संभाला हुआ है, इससे अभी भी राज्य में संक्रमण एक तरह से पूरी तरह से नियंत्रण में है। लेकिन अचानक कल दोपहर बाद कोरबा जिले के कटघोरा से सात नए मरीजों के सामने आने के बाद से ही हालात कुछ हद तक बिगड़ा है। हालांकि शासन-प्रशासन और एम्स के चिकित्सकों की माने तो इस बात के लिए पहले से ही तैयारी की गई है कि अचानक मरीजों की संख्या बढ़े तो इस स्थिति में क्या करना है? इस लिहाज से अभी भी हालात पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। एम्स के चिकित्सकों ने भी दावा किया है कि राज्य में हालात नियंत्रण में है और मरीजों की संख्या यदि अचानक बढ़ती भी है तो इसके लिए भी पूरी तैयारी की गई है। एम्स के अलावा आंबेडकर अस्पताल में भी कोरोना संक्रमण से निपटने युद्ध स्तर पर तैयारी पूरी की जा चुकी है। इधर 14 अप्रैल को देशभर में 21 दिनों के लिए जारी लॉकडाउन की अवधि समाप्त होने वाली है। इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सभी मुख्यमंत्रियों से वीडियो कान्फ्रेंस कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने वाले हैं। जानकारों की माने तो पीएम श्री मोदी सभी सीएम से उनके राज्यों की हालात, प्रभावित जिलों की संख्या, कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या, क्वारंटाईन में रखे गए लोगों की संख्या, उपचार सुविधा आदि को लेकर जानकारी लेंगे। इसके बाद ही लॉकडाउन को खत्म करने अथवा आगे बढ़ाने को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इधर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पीएम श्री मोदी से होने वाले वीडियो कान्फ्रेंस के बाद 12 अप्रैल को मंत्रिमंडल के साथ ही वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों की बैठक लेंगे।

एसएसपी-कलेक्टर ने किया शहर के कई इलाकों में फ्लैग मार्च

रायपुर (नव प्रदेश)। राजधानी में जारी लॉकडाउन के बीच सड़कों पर बेवजह घूमने वालों के खिलाफ आज राजधानी पुलिस ने फिर से सख्ती बरती। घरों से बाहर निकलने का कोई उचित कारण न बता पाने वालों को पुलिस के गुस्से का भी सामना करना पड़ा। देशभर में लागू लॉकडाउन की अवधि 14 अप्रैल को पूरी होने वाली है। इधर शहर में लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस ने आज फिर से सख्ती बरती। राज्य पुलिस प्रमुख डीजीपी डीएम अवस्थी द्वारा सभी पुलिस अधीक्षकों से सभी जिलों में लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश के बाद आज एसएसपी के साथ कलेक्टर ने शहर के कई इलाकों में फ्लैगमार्च किया।

इस दौरान अफसरों ने सड़कों पर बेवजह निकल रहे लोगों को लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कराने के लिए प्वाइंटों में तैनात अधिकारियों को निर्देश भी दिया। इसके बाद से ही शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में बने प्वाइंटों पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने एक बार फिर से सड़कों पर निकलने वालों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। शहर के कई इलाकों में बेवजह घरों से निकलकर सड़कों पर घूम रहे लोगों को पुलिस के गुस्से का भी सामना करना पड़ा।

किल्लत शुरू...

पुरानी बस्ती में पीलिया का प्रकोप, पाइप लाइन सुधार के कारण पानी की समस्या टैंकरों में टूट पड़े लोग

मुलाकात | मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने राजधानी में वृद्धाश्रम, बहुविकलांग गृह और राहत शिविर का किया निरीक्षण

जरूरतमंद और बेसहारा लोगों का जाना हाल-चाल

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। महिला बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया बुजुर्गों, दिव्यांगजन सहित समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों तक राहत और कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का लगातार निरीक्षण कर रही हैं। इसी क्रम में बालोद और दुर्ग जिले के बाद आज श्रीमती भेंड़िया राजधानी के माना कैम्प स्थित समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय वृद्धाश्रम, बहदिव्यांग गृह, पुनर्वास केन्द्र, महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित बालाश्रम और लॉकडाउन में फंसे लोगों के लिए बनाए गए लाभाण्डी स्थित राहत कैम्प का जायजा लेने पहुंची। श्रीमती भेंड़िया ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का हाल-चाल पूछा और उनके स्वास्थ्य, खान-पान और दिनचर्या की जानकारी ली। उन्होंने बुजुर्गों के कोरोना संक्रमण से अधिक प्रभावित होने के जोखिम को देखते हुए अधिकारियों को बुजुर्गों के स्वास्थ्य और संक्रमण से सुरक्षा के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के दिये निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि इस आश्रम में राज्य के 26 बुजुर्ग निवास कर रहे हैं।

श्रीमती भेंड़िया से बुजुर्गों ने वृद्धाश्रम की व्यवस्था के बारे में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां खाने और रहने की अच्छी व्यवस्था है। यहां उन्हें कोरोना वायरस के संक्रमण और उससे बचाव के लिए आवश्यक सावधानी रखने कहा गया है। सभी बुजुर्गों को मास्क दिए गए है और लगातार हाथ धोने के लिए कहा गया है। आश्रम में समय-समय पर कीटनाशक का स्प्रे भी किया जाता है। श्रीमती भेंड़िया ने बुजुर्गों को कोरोना संक्रमण से भयभीत न होने की सलाह देते हुए आवश्यक सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सर्दी-खांसी या बुखार की शिकायत होने पर अधिकारियों को तुरंत सूचित करें।

शासकीय बहुदिव्यांग गृह पहुंचकर श्रीमती भेंड़िया ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से मुलाकत की और उन्हें कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के बारे में बताया। श्रीमती भेंड़िया ने लॉकडाउन के दौरान बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों में लगाए रखने और संक्रमण से बचाव के मापदण्डों के पालन के निर्देश दिए हैं। इस केन्द्र में मानसिक के साथ-साथ बहुदिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षण-प्रशिक्षण, आवास, भोजन, स्वास्थ्य जांच सहित शारीरिक एवं मानसिक विकास की निःशुल्क व्यवस्था है। श्रीमती भेंड़िया ने बालगृह पहुंचकर भी बच्चों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्रीमती भेंड़िया राजधानी के लाभाण्डी में जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए कोरोना राहत-आश्रय स्थल भी पहुंची और लॉकडाउन में फंसे जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के लिए किये जा रहे प्रबंध की जानकारी ली।

राज्यपाल ने नहीं मनाया जन्मदिन

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने शुक्रवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर दुर्ग जिले के भिलाई पावर हाउस स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश को कोरोना महामारी से मुक्त रखने की कामना से अभिषेक किया।

पीएम और सीएम ने दी सुश्री अनुसूईया को शुभकामनाएं

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। सूबे के राज्यपाल अनुसुईया उइके का आज जन्मदिन हैं लेकिन पूरे देश में फैले कोरोना संक्रमण के चलते वे नहीं मना रही हैं और लोगों से इस बात का अनुरोध किया है कि सभी लोग स्वस्थ व कुशल अपने घरो पर ही रहें और नियमों का पालन करें तो यही उनके लिए सबसे बड़ी शुभकामना होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हे जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यपाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा है कि सार्वजनिक जीवन में आपका लंबा अनुभव राज्य के लिए एक खजाने की तरह है। मेरी कामना है कि सदैव जनकल्याण और राष्ट्रसेवा में समर्पित रहकर आपने जिन मानदंडों को स्थापित किया है। उनसे प्रदेशवासी अधिक से अधिक लाभान्वित हों और आपके मार्गदर्शन में राज्य विकास की नित नई ऊंचाईयों को छूता रहे। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों और सदा स्वस्थ रहते हुए इसी प्रकार जनसेवा के कार्य में जुटे रहें।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आपके प्रतिपालकत्व में प्रदेश तरक्की के पथ पर आगे बढ़े, आपके संरक्षण में लोकतांत्रिक मूल्यों की गरिमा और अधिक बढ़े। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की वैश्विक आपदा के बीच राज्यपाल ने इस बार अपना जन्नदिन नहीं मनाने की घोषणा पहले ही कर दी थी।

मरकज में शामिल डॉक्टर की कोरोना जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार से संपर्क

नवप्रदेश संवाददाता

शहडोल। मेडिकल कॉलेज शहडोल के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद मुजाहिद अंसारी के दिल्ली स्थित तब्लीगी मरकज में शामिल होने के बाद से उनका कोरोना टेस्ट हुआ है या नहीं। इस बात की जानकारी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के पास नहीं है। ट्रैवल हिस्ट्री छिपाने के मामले में मेडिकल कॉलेज के डीन ने डॉ. अंसारी को निलंबित करने के बाद अब एफआईआर कराएंगे। अभी डॉ. अंसारी नागपुर में अपने घर पर हैं। डॉ. अंसारी के खिलाफ चार्जशीट तैयार की जा रही है। डीन डॉ. मिलिंद शिरालकर ने बताया कि फोन से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंसारी से बात की तो उसने बताया कि मैंने कोरोना टेस्ट नागपुर में ही करा लिया है और रिपोर्ट निगेटिव आई है। जब रिपोर्ट मांगी तो वह देने में आनाकानी करने लगा। महाराष्ट्र सरकार को दी सूचना शहडोल मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने मप्र सरकार के माध्यम से डॉ. अंसारी के मरकज में शामिल होने और नागपुर में होने की सूचना दे दी है। शहडोल कलेक्टर ने नागपुर कलेक्टर को पूरी वस्तुस्थिति से

अवगत कराते हुए डॉ. अंसारी के घर का पता दिया और इस बात की मांग की कि वे तत्काल उसका कोरोना टेस्ट कराकर रिपोर्ट शहडोल प्रशासन से साझा करें। मरकज से लौटकर 9 दिन था शहडोल में डॉ. अंसारी मरकज से लौटने के बाद 9 दिन तक मेडिकल कॉलेज में रहा। डीन ने उन सभी डॉक्टर्स समेत अन्य कर्मचारियों का टेस्ट कराया है जो डॉ. अंसारी के संपर्क में थे। वहीं 23 मार्च को उसने डीन को फिर से मेल कर छुट्टी बढ़ाने का पत्र दिया था। घर के लिए ली छुट्टी और पहुंच गया मरकज डॉ. अंसारी ने 6 से 11 मार्च तक की छुट्टी घर नागपुर जाने ली थी, लेकिन वह दिल्ली स्थित मरकज चला गया।

इनका कहना है

डॉ. अंसारी ने जानकारी छिपाकर दिल्ली स्थित मरकज गए थे। इसकी पुष्टि होने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया है। खिलाफ चार्जशीट जारी होगी, साथ ही एफआईआर भी करा रहे हैं।

डॉ. मिलिंद शिरालकर, डीन,
मेडिकल कॉलेज शहडोल

न्यूज गैलरी

लॉकडाउन अब पेट पर पड़ रहा भारी... लोगों की पीड़ा- कोरोना बाद में मारेगा, भूख पहले मार डालेगी

कुछ लोगों ने राशन खत्म होने और भोजन के लिए सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

आदिवासी परिवार अब बेरोजगार हो चुके हैं और घरों में खाने के लाले पड़े चुके हैं

नवप्रदेश संवाददाता

श्योपुर। लॉकडाउन के बीच उन लोगों की मुसीबतें सबसे ज्यादा बड़ गई हैं जो दिहाड़ी मजदूरी कर पेट पालते हैं। इन्हें कोई सुविधा नहीं चाहिए, सिर्फ दो टाइम की रोटी के लिए लिए यह दिनभर मजदूरी करते हैं। लॉकडाउन के बीच में ऐसे कई परिवार हैं, जिन्हें भरपेट खाना मिलना तक मुश्किल हो गया है। कराहल से लेकर विजयपुर व वीरपुर की करीब 60 फीसदी आबादी मजदूरी यानी दिहाड़ी पर निर्भर है। जबकि कराहल में तो 90 फीसदी लोग इसी पर आश्रित हैं। ऐसे में लॉक डाउन के चलते यह आदिवासी परिवार अब बेरोजगार हो चुके हैं और घरों में खाने के लाले पड़े चुके हैं। कराहल में समाजसेवी संगठनों के जरिए राशन भेजा जा रहा है, लेकिन हर एक तक यह राशन नहीं पहुंच पा रहा है। लॉकडाउन के बीच तीन दिनी कर्फ्यू ने भी गरीबों की मुसीबत बड़ा दी है। कर्फ्यू के बीच घरों में आटा, दाल, तेल या अन्य खाद्य सामग्री खत्म होने पर लोग सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवा रहे हैं। लेकिन यहां अब तक किसी की समस्या का समाधान नहीं किया गया है। लोगों ने खुद ही इसका उपाय निकाला और राशन की पूर्ति पड़ोसी व अन्य लोगों के जरिए की।

डोब सहराना में भूखी बैठी वृद्धा ने कहा- राशन देकर भूल गया प्रशासन...

निमानिया गांव में एक या दो नहीं बल्कि कई ऐसे परिवार हैं, जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। इसी के चलते उन्हें राशन का वितरण भी नहीं हुआ। अब यह लोग प्रशासन और समाजसेवियों के आने का इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्हें प्रशासन व समाजसेवियों के जरिए थोड़ा राशन दिया था, लेकिन वह खत्म हो चुका है। ऐसे में वह कर्फ्यू के बीच परेशान हैं, क्योंकि समाजसेवी भी उन तक राशन नहीं पहुंचा पा रहे हैं। वृद्धा ने कहा कि यहां तो प्रशासन ने अब तक गांवों में कोई खैर खबर ही नहीं ली है। पहले राशन देकर वह तो उन्हें भूल ही गया, अब वह क्या खाएंगे। बंद के कारण कुछ भी नहीं मिल रहा है।

पप्पू बोला- ऐसे तो मैं और बच्चे भी भूखे मर जाएंगे

कराहल तहसील भोटूपुरा गांव निवासी पप्पू आदिवासी ने बताया कि उसकी पत्नी तो पहले ही मर चुकी है, अब उसके तीन बच्चे हैं, जिनकी पूरी जिम्मेदारी अब उसी पर है। वह दिहाड़ी कर लाता है फिर भोजन बनाकर बच्चों को खिलाता है। लेकिन लॉक डाउन के बीच उसकी झोपड़ी में अब खाने को कुछ नहीं बचा है। यहां मदद भी किससे मांगें, क्योंकि सभी उसी की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। पप्पू ने बताया कि ऐसे तो वह और उसका परिवार भूखा मर जाएगा, क्योंकि उनके पास कोई विकल्प ही नहीं है। यहां चौरासी महापंचायत के टुंडा राम आदिवासी ने उसे कुछ आटा दिया, ऐसे में रुखी रोटी खाकर उसने अपना व बच्चों का पेट भरा।

जिले में 23818 लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई

जिले में 14411 लोग होम कोरेंटाईन, जिला अस्पताल से 12 संदिग्ध मरीजों के सेम्पल जांच के लिए बीएमएचआरसी भोपाल भेजे गए

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन। रायसेन में दरगाह शरीफ में बनाए गए कोरेंटाइन सेंटर का कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, एसपी श्रीमती मोनिका शुक्ला तथा सीईओ जिला पंचायत श्री अवि प्रसाद ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कोरेंटाइन सेंटर में भर्ती लोगों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भार्गव तथा सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी श्री अवि प्रसाद ने बताया कि रायसेन शहरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-06 गवोईपुरा में कोविड-19 संक्रमित पॉजीटिव मरीज के मिलने के पश्चात कंटेनमेंट एरिया में रहने वाले लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी जा रही है तथा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-03, 05, 06, 07, 08, 10 तथा 16 में स्वास्थ्य अमले द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया गया, जिसमें चार मरीज संदिग्ध मिले हैं। संदिग्ध मरीजों के सेम्पल लिए गए हैं तथा आवश्यक उपचार किया जा रहा है। जिला अस्पताल से 12 संदिग्ध मरीजों के सेम्पल जांच के लिए बीएमएचआरसी भोपाल भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में अभी तक 23818 लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई है तथा 14411 लोगों को होम कोरेंटाइन किया गया है। सर्दी-खांसी के कुल मरीजों की संख्या 7537 है। 57 लोगों को हॉस्पिटल आइसोलेशन में रखा गया है तथा 301 लोग संस्थागत कोरेंटाइन हैं। जिले से अभी तक कुल 110 सेम्पल जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनमें से एक की रिपोर्ट पॉजीटिव है, 54 की रिपोर्ट निगेटिव है तथा 54 सेम्पल की रिपोर्ट प्रतीक्षित है। एक सेम्पल रिजेक्ट हो गया है। जिले के विभिन्न कोरेंटाइन सेंटर में 301 संदिग्ध व्यक्तियों को रखा गया है। होम क्वेरेंटाईन में रखे गये व्यक्तियों एवं आम जनता के स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए जिला चिकित्सालय रायसेन में टेलिमेडिसिन हेतु मोबाईल/व्हाट्सएप नम्बर 8223991808, 8224041801 जारी किया गया है। इन नम्बरों पर स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या का चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है। रायसेन में दरगाह शरीफ में बनाए गए कोरेंटाइन सेंटर का कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, एसपी श्रीमती मोनिका शुक्ला तथा सीईओ जिला पंचायत श्री अवि प्रसाद ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कोरेंटाइन सेंटर में भर्ती लोगों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने सहित अन्य निर्देश दिए। रायसेन एसडीएम श्रीमती मिशा सिंह ने जानकारी दी कि रायसेन नगर में कटेंनमेंट एरिया वार्ड क्रमांक-05, 06 तथा 07 का तहसीलदार रायसेन, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारियों ने भ्रमण किया तथा लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी। अनुभाग में अन्य जिलों, प्रदेशों से आए 51 लोगों का रैपिड रिस्पांस टीमों द्वारा मौके पर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्रशासन द्वारा लगभग 870 निर्धन तथा बेसहारा लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। सिलवानी एसडीएम श्री अनिल जैन ने जानकारी दी कि अनुभाग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के छात्राओं को मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के तहत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराते हुए खाद्यान्न के पैकेट वितरित किए गए।

ग्राम पंचायत प्रतापगढ़, मुआंर,

दमोह एसपी से बोली आरक्षक की पत्नी : ड्यूटी से आने के बाद सीधे घर में घुस जाते हैं, मुझे बच्चों की चिंता है

नवप्रदेश संवाददाता

दमोह । जिला पुलिस बल में शामिल एक आरक्षक ड्यूटी से घर आने पर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखता था। इससे नाराज उसकी पत्नी एसपी के पास पहुंची और शिकातय की कि ड्यूटी से आने के बाद मेरे पति सीधे घर में घुस जाते हैं। इससे मुझे बच्चों की चिंता होती है। अब एसपी ने उस आरक्षक को जिला मुख्यालय पर ही रोक दिया है। लॉकडाउन का पालन कराने के लिए जिले के एक थाना क्षेत्र में पदस्थ आरक्षक को जिला मुख्यालय पर तैनात कि या गया था। आरक्षक रोज ड्यूटी के बाद अपने घर चला जाता था, लेकि न इस दौरान वह बिना सुरक्षा उपाय किए सीधे घर में प्रवेश कर जाता था और अपनी वर्दी को परिवार के अन्य लोगों के कपड़ों के साथ रख देता था। इस पर आरक्षक की पत्नी ने आपत्ति जताई, लेकि न आरक्षक नहीं मान रहा था। इससे परेशान पत्नी ने सीधे एसपी से गुहार लगाई और आरक्षक पति की शिकायत की।

आरक्षक को जिला मुख्यालय पर ही रुकने का आदेश जारी किया

एसपी हेमंत चौहान ने अब आरक्षक को जिला मुख्यालय पर ही रुकने का आदेश जारी कि या है। एडिशनल एसपी

विवेक लाल ने बताया कि संबंधित आरक्षक को जिला मुख्यालय पर रहने के ही निर्देश दिए गए हैं और उससे कहा गया है कि आगामी एक सप्ताह तक वह अपने घर नहीं जाएगा। इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि यदि उस आरक्षक के परिवार को कि सी आवश्यक सामग्री की आवश्यकता होगी तो संबंधित थाना के थाना प्रभारी उस जरूरत को पूरा करेंगे।

छुपाएं नही बताएं-कलेक्टर

विदिशा जिले में 11 नए कोरोना से प्रभावित चिन्हित हुए

विदिशा। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिले से जो सेम्पल परीक्षण हेतु भेजे गए थे उनमें से 11 कोरोना वायरस के पाजिटिव पाए गए है जिसमें पांच विदिशा शहर के, चार बासोदा के, एक लटेरी का तथा एक ग्यारसपुर तहसील के ग्राम झिरनिया का शामिल है। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने कहा कि जिन भी व्यक्तियों को सर्दी, जुकाम के सामान्य लक्षण भी है तो छुपाएं नही बल्कि चिकित्सकों को बताएं ताकि उनकी शंकाओं का समाधान हो सकें। उन्होंने बताया कि सर्दी जुकाम सामान्य लक्षण है जिसे सीधे कोरोना से नही जो?ा जा सकता है। उन्होंने कोरोना के परीक्षण हेतु मापदण्ड तथा जिले में कोरोना से प्रभावितों के लिए सोशल डिस्टेन्सिग के अनुपालन में किए गए प्रबंधो पर प्रकाश डाला है। कलेक्टर डॉ जैन ने मरीजो में होने वाले विभिन्न सिस्टम को रेखांकित करते हुए विभक्त किए गए एल-वन, एल-टू, एल-थ्री, एल-फोर स्तर तक चिन्हित मरीजो के लिए जिले में किए गए प्रबंधो से अवगत कराया। कलेक्टर डॉ जैन ने बताया कि विदिशा जिले में जो 11 नए कोरोना वायरस से प्रभावित चिन्हित किए गए व्यक्तियों को भोपाल की चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर डॉ जैन ने कहा कि बीमारी को साइलेंट्री रूप में फैलने नही दिया जाएगा। क्यूरेन्टाइन में रखे गए लोगो की केश हिस्ट्री की भी जांच प?ताल की जा रही है इस कार्य में ही स्तर पर सूचनाएं प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे है जो गोपनीय एवं सार्वजनिक रूप से प्राप्त हुई है। इसके अलावा विभाग के गुप्त संसाधनो का भी उपयोग किया जा रहा है ताकि कोरोना से प्रभावित अथवा किसी में लक्षण परलिक्षित हो तो उस पर चिकित्सक तत्काल नजर रखें और सेम्पल भेजकर उसके निगेटिव अथवा पॉजिटिव होने की रिपोर्ट प्राप्त कर सकें। कलेक्टर डॉ जैन ने जिले में 11 सौ से अधिक व्यक्तियों के लिए क्यूरेन्टाइन में रखने हेतु किए गए प्रबंधो पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एसएटीआई के विभिन्न कक्षो एवं छात्रावासों में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें यदि कही कोई अफवाह, मिथ्या जानकारी किसी को देता है अथवा सोशल मीडिया पर शेयर करता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज की जाएगी। पुलिस अधीक्षक श्री विनायक वर्मा ने कहा कि अफवाह और सूचना के बीच अंतर को आप स्वंय परखे।

कर्फ्यू लागू, कंटेनमेंट जोन में विभक्त

नवप्रदेश संवाददाता

विदिशा। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि विदिशा एवं लटेरी में कोरोना प्रभावित मरीजो के चिन्हित होने पर उन क्षेत्रों में कर्फ्यू घोषित किया गया है। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने बताया कि जिन क्षेत्रों में कोरोना से प्रभावित मरीज चिन्हित हुए है उस एरिया को कंटेनमेंट जोन में विभक्त किया गया है। तदानुसार विदिशा शहरी क्षेत्र में कर्फ्यू लगाया गया है। कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है उसमें विदिशा शहर के स्वर्णकार कालोनी, लुंगाहीपुरा, खाई चौपडा, मुगलटोला, बासौदा में चूडी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 22, सिरोंज में किरी मोहल्ला, लटेरी में मलनिया और वीरपुर ग्राम को ग्यारसपुर में झिरनिया गांव को कंटनेमेंट जोन घोषित किय गया है। इन क्षेत्रों में धीरे-धीरे सामान्य परिस्थितियों अनुसार रेलेक्सेशन दिया जाएगा। कलेक्टर डॉ पंकज जैन, पुलिस अधीक्षक श्री विनायक वर्मा ने आज दोपहर में विदिशा शहर के कंटेनमेंट जोन क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थितियों का जायजा लिया ओर स्थानीय रहवासियों को घरो में रहने की सलाह दी है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री मयंक अग्रवाल, अपर कलेक्टर, एसडीएम, सीएसपी तथा डिप्टी कलेक्टर साथ मौजूद थे। कलेक्टर डॉ पंकज जैन एवं अन्य अधिकारियों ने आज एसएटीआई के चिन्हित कक्षो का उपयोग कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों के क्यूरेन्टाइन करने हेतु उपयोग किया जाएगा।

श्योपुर में कोरोना पीड़ित झोलाछाप डॉक्टर की गर्भवती बेटी भी निकली पॉजिटिव

नवप्रदेश संवाददाता

श्योपुर। श्योपुर में पहले कोरोना पीड़ित झोलाछाप डॉक्टर की गर्भवती बेटी में भी कोरोना की पुष्टि हुई है। हालाकि उसके संपर्क में आए सिविल सर्जन सहित पूरे अस्पताल स्टॉफ की रिपोर्ट निगेटिव आई है। प्रशासन ने कोरोना पीड़ितों के क्षेत्र हसनपुर हवेली-बंजारा डैम क्षेत्र को हॉट स्पॉट घोषित कर दिया गया है। झोलाछाप का बेटा लॉकडाउन के दौरान इंदौर से लौटा था। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज से श्योपुर के 30 लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट आई है। इसमें से हसनपुर हवेली के कोरोना पॉजिटिव फर्जी डॉक्टर के दो बेटों की रिपोर्ट निगेटिव निकलीं, लेकिन 22 साल की बेटी कोरोना पॉजिटिव निकली है। बेटी चार महीने की गर्भवती है। इसके अलावा सिविल सर्जन डॉ. आरबी गोयल, डॉ. विष्णु गर्ग और डॉ. जेएन सक्सेना सहित अस्पताल के लगभग 20 कर्मचारी की जांच रिपोर्ट निगेटिव है। कोरोना पॉजिटिव को अस्पताल लाने और श्योपुर से ग्वालियर ले जाने वाली गाड़ियों के दो ड्राइवर मेघसिंह व सुरेन्द्र कुमार की कोरोना रिपोर्ट भी निगेटिव है। उसके पति, दो बच्चे और तीन भाइयों की कोरोना निगेटिव पाए गए हैं। कोरोना पीड़िता का पति और भाई दोनों लॉकडाउन के दौरान इंदौर से आए थे। उन्हीं से कोरोना संक्रमण फैलने का अनुमान जताया जा रहा है, लेकिन इन दोनों को जांच में कोरोना का संक्रमण नहीं निकला है।

आइसोलेशन वार्ड में कोरोना से नहीं हुई थी मौत

जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में 8 अप्रैल को शंकरपुर गांव के धनसिंह आदिवासी ने दम तोड़ दिया था। पहले से टीबी के मरीज धनसिंह को सांस लेने में तकलीफ थी। कोरोना के सैंपल लेने के एक घंटे बाद उसने आइसोलेशन वार्ड में दम तोड़ दिया था। उसकी भी कोरोना जांच निगेटिव निकली है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

संकट में मध्य प्रदेश

में जबकि भोपाल के स्वास्थ्य संचालनालय में तकरीबन 40 पॉजीटिव मरीज हों, 20 पुलिस वाले बीमार हों, इंदौर में स्वास्थ्य अमले पर लोगों के अटैक की खबरें हों, भोपाल में भी पुलिस पर हमला हुआ हो, कई जगह पुलिस के भी नियंत्रण के लिए लाठी चलाने के वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहे हों, प्रदेश में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से रखने की चुनौती हो, प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हर राशनकार्डधारी परिवार को प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज और प्रति परिवार एक किलो दाल पहुंचाना हो या अन्य फौरी राहत की घोषणाएं हों. इन सभी के मानकों को पूरा करने के लिए खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को मददगार हाथों की जरूरत महसूस होती होगी. वह चाहते ही होंगे कि प्रदेश में कम से कम एक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, एक गृह मंत्री और एक खादय सुरक्षा मंत्री तो बन ही जाए, जो उनके काम को बांट ले.

पीएमओ ने कोरोना...

समीक्षाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम बैठक थी। बैठक में प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ-साथ अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में देश भर में समय पर सूचनाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा की गई और इसके साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में संवाद के जरिए अंतिम आदमी तक पहुंचना सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रौद्योगिकी और डेटा प्रबंधन पर चर्चा के दौरान 'आरोग्य सेतु' ऐप पर संतोष व्यक्त करते हुए यह मकहा गया कि इस ऐप के साथ उपयोगकर्ताओं का जुड़ाव बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रधान सचिव ने उच्चाधिकार प्राप्त समूहों के इस दिशा में किए गए प्रयासों की समीक्षा की।

170 देशों में...

तेजी से नकारात्मक हो जाएगा, जैसा कि आप अगले सप्ताह हमारे विश्व आर्थिक आउटलुक में देखेंगे। वास्तव में हम बहुत बड़ी मंदी के बाद सबसे खराब आर्थिक गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं। आईएमएफ प्रमुख ने कहा, ''सिर्फ तीन महीने पहले हमारा अनुमान था कि हमारे 160 सदस्य देशों में इस साल प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी। अब सब कुछ बदल गया है। अब 170 से अधिक देशों में प्रति व्यक्ति आय घटने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट से कमजोर देशों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचने की आशंका है।

देश में अभी...

एक हफ्ते पहले तक 5-6 हजार टेस्ट कर रहे थे लेकिन कल (गुरुवार) हमने 16,002 टेस्ट किए। इनमें से करीब 2 प्रतिशत केस ही पॉजिटिव आए हैं यानी संक्रमण की दर बहुत ज्यादा नहीं है। लब अग्रवाल ने बताया कि भारत को करीब 1 करोड़ टैबलेट की जरूरत होगी एक हफ्ते के लिए। जबकि हमारे पास 3.2 करोड़ टैबलेट मौजूद है घरेलू इस्तेमाल के लिए यानी फिलहाल की जरूरत का करीब तिगुना।

कोरोना मरीजों को बचाने

सभी मिलकर प्रदेश में कोरोना को हराने में ऐसा कार्य करें, जिससे मध्यप्रदेश का मॉडल पूरे भारत में प्रभावी हो। समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश के 20 जिलों में कोरना संक्रमण है। प्रदेश में कोरोना मरीजों की कुल संख्या 453 है, जिनमें से 36 की मृत्यु हुई है। इंदौर जिले में 229, जबलपुर में नौ, भोपाल में 124, उज्जैन में 12, ग्वालियर में दो, शिवपुरी में दो, खरगोन में 14, मुरैना में 12, छिंदवाड़ा में दो, बड़वानी में 14, विदिशा में 13, बैतूल में एक, होशंगाबाद में छह, श्योपुर में एक, रायसेन में एक, देवास में तीन, धार में एक, खंडवा में 4, सागर में एक तथा शाजापुर में एक कोरोना संक्रमित मरीज है।

कोरोना को परास्त करने

बताया गया कि प्रदेश में कोरोना के इलाज के लिए 28 डेडीकेटेड हॉस्पिटल बनाए गए हैं। इसके अलावा, 87 अस्पताल तथा 540 कोविड केअर सेंटर कोरोना संबंधी जांच और इलाज का निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कोरोना कार्य में लगा हुआ शासकीय अमला थके नहीं, उन्हें आराम देने की व्यवस्था भी की जाए। साथ ही, दूसरी टीम को कार्य में लगाया जाए। बारी-बारी से काम में शासकीय अमले को लगाया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कोरोना नियंत्रण के लिए प्रत्येक जिले में गठित किए गए आपदा प्रबंधन समूह प्रभावी ढंग से कार्य करें तथा अपने जिलों की स्थिति का आकलन कर वहां सर्वश्रेष्ठ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया आदि पर अफवाह फैलाने वालों पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

बिना पात्रता पर्ची वालों को भी मिलेगा नि:शुल्क राशन

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार कोरोना संकट के चलते प्रदेश के 32 लाख ऐसे व्यक्तियों को भी निन्शुल्क राशन प्रदाय किया जाएगा, जिनके पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्रता पर्चियां नहीं हैं। इन्हें एक माह का निन्शुल्क उचित मूल्य राशन राज्य सरकार के कोटे से प्रदाय किया जाएगा। राशन के अंतर्गत इन्हें चार किलो गेहूँ एवं एक किलो चावल प्रति व्यक्ति प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में 31 लाख 81 हजार 525 ऐसे व्यक्ति हैं, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत निर्धारित 25 पात्रता श्रेणियों में तो आते हैं, परंतु उन्हें वर्तमान में उचित मूल्य राशन प्राप्त करने की पात्रता नहीं है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 में प्रदेश में योजना के अंतर्गत पात्रता पर्चीधारियों की संख्या 5 करोड़ 46 लाख निर्धारित किए जाने से इन्हें पात्रता नहीं है। अब राज्य शासन ने इन्हें अपने कोटे से एक माह का निरूशुल्क राशन दिए जाने का निर्णय लिया है। राज्य के समग्र सामाजिक सुरक्षा पोर्टल पर इनका नाम दर्ज है। खाद्यान्न वितरण के लिए प्रदेश के इन 8 लाख 8 हजार 946 परिवारों के 31 लाख 81 हजार 525 सदस्यों के लिए राज्य स्तर से 12 हजार 726 मीट्रिक टन गेहूँ तथा 3 हजार 181 मीट्रिक टन चावल का कोटा जारी किया जा चुका है।

किसी भी नजदीकी दुकान से प्राप्त कर सकेंगे राशन

बिना पात्रता पर्ची वाले सभी व्यक्ति सुविधानुसार अपने आस-पास की किसी भी उचित मूल्य दुकान से यह राशन प्राप्त कर सकेंगे। वर्तमान में कोरोना संकट के मद्देनजर कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे राशन वितरण में सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सुरक्षात्मक उपायों का कड़ाई से पालन कराएं। हितग्राहियों से कहा गया है कि वे बारी-बारी से राशन प्राप्त करें तथा राशन दुकानों पर एक-दूसरे की बीच दूरी कायम रखते हुए भीड़ न लगाएं। इन सभी हितग्राहियों की सूची fna-samagra-gov-in पोर्टल पर छ्रस्थ्9लॉगिन में उपलब्ध है।

■ न्यूज गैलरी

कोरोना से ज्यादा सता रहा भूख का डर, खाद्य सामग्री वितरण व्यवस्था ध्वस्त

भोपाल । राजधानी में कोरोना के संक्रमण से ज्यादा लोगों को भूख का डर सता रहा है। क्योंकि प्रशासन की खाद्यान्न व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। यह हम नहीं, बल्कि सीएम हेल्पलाइन और 104 हेल्पलाइन में लगातार आ रही शिकायतों के आंकड़े बयां कर रहे हैं। लॉकडाउन के 16वें दिन तक राजधानी में करीब 14834 शिकायतें सीएम हेल्पलाइन में आ चुकी है। इसमें से 9513 शिकायतें अत्यावश्यक खाद्य सामग्री वितरित नहीं हो पाने की हैं। लोग हर हेल्पलाइन में कॉल कर पूछ रहे हैं कि उन्हें खाद्यान्न कैसे मिलेगा। प्रशासन द्वारा ऑनलाइन डिलेवरी की जो व्यवस्था शुरू की गई थी, वह कारगर साबित नहीं हो पा रही है। इसे देखते हुए सांची पार्लरों में खाद्यान्न वितरण की बात की गई, लेकिन यह व्यवस्था भी शुरू नहीं हो पाई है। इधर, सीएम हेल्पलाइन में गैस सिलेंडरों की डिलेवरी समय पर नहीं होने की भी 339 शिकायते हुई हैं। शिकायतों का निराकरण न हो पाने के कारण वाट्सएप पर शिकायत का सिलसिला थम गया है।

किराना की दुकानों को खोलने जा रही है सरकार, फुटकर विक्रेता बेच सकेंगे सामान

भोपाल। लॉकडाउन के कारण बाजार और दुकानें बंद हैं। लॉकडाउन को लेकर संशय बना हुआ है कि 15 अप्रैल को लॉकडाउन खुलेगा या फिर आगे बढ़ेगा। दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने संकेत दिए थे कि अगर जरूरत पड़ी तो हम लॉकडाउन को आगे बढ़ा सकते हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश सरकार लोगों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश में किराना की दुकानें फिर से खोलने की योजना बनाई जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में किराना दुकानों को आंसिक रूप से खोलकर सामग्री की हों डिलेवरी करने का प्रस्ताव तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर अफसर किराना की दुकानों को खोलने की व्यवस्था बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि व्यवस्था के अनुसार, प्रदेश में एक दिन होलसेल और एक दिन फुटकर विक्रेता आंशिक समय के लिए दुकानें खोलकरकर सामान बेच सकते हैं। हालांकि सरकार की ये योजना कब से लागू होगी इसको लेकर कोई बात सामने नहीं आई है। वहीं, दूसरी तरफ अगर लॉकडाउन हटा जाता है तो सरकार ने उसके लिए भी प्लान तैयार कर लिया है। मध्यप्रदेश में अधिकारी त्रिस्तरीय प्लान तैयार कर रहे हैं।

भोपाल में अब तक 109 केस : दो दिन में 14 नए कोरोना पॉजिटिव

भोपाल में टोटल लॉकडाउन 14 अप्रैल तक बढ़ा

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर भोपाल पुलिस ने 24 घंटे में 57 लोगों पर केस दर्ज किए, इसके बाद भी रोक नहीं लग पा रही

किल्लत को कम करने के लिए निगम ने सांची पॉर्लरों में किराना और राशन का सामान रखा, यहीं होम डिलेवरी कराई जाएगी

नव प्रदेश ब्यूरो

भोपाल। लॉकडाउन के 17वें दिन शुक्रवार सुबह भोपाल में कोरोना के 10 नए केस सामने आए। यहां संक्रमित मरीजों की संख्या 109 हो गई है। शहर के 80 से ज्यादा इलाकों को सील किया गया है। इससे पहले गुरुवार को गांधी मेडिकल कॉलेज की दो जूनियर डॉक्टर कोरोना से पॉजीटिव पाई गईं। दोनों पॉजीटिव जूनियर डॉक्टर पीएसएम और स्त्री रोग विभाग में कार्यरत हैं। इसके बाद जीएमसी के प्रभारी डीन डॉ. एके श्रीवास्तव ने सभी एचओडी की इमरजेंसी मीटिंग कॉल की है। भोपाल में दो कोरोना संक्रमित ठीक हो चुके हैं। जबकि एक की मौत हो गई। संक्रमण के खतरे को देखते हुए भोपाल में 14 अप्रैल तक टोटल लॉकडाउन कर दिया गया है। इस दौरान राशन की परेशानी न आए, इसके लिए जिला प्रशासन ने सांची पॉर्लरों पर किराना रखना और वहां से सप्लाई की व्यवस्था शुरू कर दी है। वहीं, नगर निगम की कचरा गाड़ियों के माध्यम से भी लोगों से उन्हें राशन की जरूरत और घर का पता मांगा जा रहा है, जिससे अगले दिन उन्हें राशन की होम डिलेवरी की जा सके। इधर, लगातार 5 दिन के बाद संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। 7 अप्रैल को जहां कोरोना संक्रमण के 23 नए मामले आए थे, वहीं 8 अप्रैल को 12 और 9 अप्रैल को ये घटकर 4 पर पहुंच गई।

बैंक अब सुबह 10 से शाम 4 बजे तक खुलेंगे

लॉकडाउन में बैंक कोरेस्पांडेंट अब सुबह 7 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक 12 घंटे सेवाएं देंगे। इसके साथ ही बैंक खुलने का समय भी सभी जिलों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक रहेगा। बैंकों की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को मंत्रालय में हुई। बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

टोटल लॉकडाउन से बढ़ी दिक्कतें, घरों में राशन की किल्लत

सरकार ने गुरुवार को देर रात 14 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में टोटल लॉकडाउन का आदेश जारी कर दिया। पहले से चले आ रहे लॉकडाउन से ही लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में जरुरी सामान खत्म हो गया है। बीते एक सप्ताह से दुकानें नहीं खुलने से लोग सामान नहीं खरीद पा रहे हैं। सरकार जो व्यवस्था करने के दावे कर रही है वो पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं। लोग परेशान हैं, दूध सप्लाई बंद होने से बच्चों के पीने तक को दूध नहीं मिल पा रहा है। सबसे ज्यादा स्थिति ग्रामीण इलाकों की खराब है। जानकारी के अनुसार कई इलाकों में 15 दिन से किराने के सामान की सप्लाई नहीं हुई है। थोक की दुकानों पर भी सामान खत्म हो गया है।

अब तीन श्रेणियों में होगा कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज

भोपाल में कोरोना पॉजिटिव मरीजों को अब तीन लक्षणों के आधार पर श्रेणियों में बांटकर इलाज किया जाएगा। इसके लिए अस्पतालों में आईसीयू, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सप्लाई, लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाली डेडिकेटेड एंबुलेंस जैसी तमाम जरूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। अभी सभी इन मरीजों को एक ही अस्पताल में रखकर इलाज किया जा रहा है। फिर चाहे उसमें कोरोना के लक्षण नजर आ रहे हों या फिर नहीं। सिर्फ सैंपल जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 24 घंटे में 57 केस

भोपाल पुलिस ने 24 घंटे में लॉकडाउन उल्लंघन करने वालों पर 57 केस दर्ज किए हैं। यहां पर 22 मार्च से अब तक लॉकडाउन उल्लंघन के कुल 810 मामले दर्ज हुए हैं। इन मामलों में प्रमुख रूप से बेवजह रोड पर पैदल और वाहनों से घूमना, किराना और मीट की दुकान खोलकर शासकीय आदेशों का उल्लंघन करना है, इसमें हाथ-ठेला पर सब्जी बेचकर आदेशों का उल्लंघन करना भी शामिल है।

पुलिस वाले लोगों को कोरोना से बचाव के साधन मास्क बांट रहे हैं और उन्हें डिस्टेंसिंग के बारे में भी बता रहे हैं।

यह रहेगी छूट

- कोई भी व्यक्ति अपने घर के नजदीक स्थित दूध पार्लर या डेयरी से दूध लेने पैदल जा सकेगा।
- मेडिकल स्टोर पर भी दवाई लेने के लिए अकेले पैदल जाने की अनुमति रहेगी।
- मेडिकल इमरजेंसी में एक व्यक्ति साथ जा सकता है।
- सांची पार्लर से फूड पैकेट और किराना सामान मिलेगा
- मोहल्ले की किराना दुकान संचालक होम डिलीवरी की अनुमति ले सकता है।
- बड़े स्टोर्स और ऑनलाइन फूड डिलीवरी जारी रहेगी।
- समाचार पत्र बांटने वाले हॉकर्स को सुबह 6 से 9 बजे तक अनुमति रहेगी।

कोरोना संकट के बीच कांग्रेस का बड़ा ट्वीट, ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहा- धन्यवाद

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार पर हमला कर रही है। प्रदेश में जहां कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं वहीं, कांग्रेस केन्द्र सरकार और मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार पर हमला बोला रही है। लेकिन इन दिनों शिवराज सिंह चौहान के साथ-साथ कांग्रेस के निशाने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया भी हैं। कांग्रेस लगातार ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला बोल रही है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को धन्यवाद दिया है। हालांकि सिंधिया को जा धन्यवाद कांग्रेस ने दिया है वो एक तंज है। दरअसल, मध्यप्रदेश कांग्रेस ने कोरोना संकट पर ट्वीट करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा- मध्यप्रदेश देश का इकलौता राज्य है जहां इस महामारी में स्वास्थ्य मंत्री नहीं है। धन्यवाद सिंधिया जी..! कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट पर हमला करते हुए कहा- हमारे स्वास्थ्य मंत्री 20 दिन तक बैंगलोर में स्वास्थ्य लाभ नहीं लेते तो आज मध्यप्रदेश भी स्वस्थ होता।

सिंधिया के पार्टी छोड़ने से गिरी थी सरकार

बता दें कि मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य के कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार गिर गई थी। क्योंकि सिंधिया समर्थक 22 विधायकों ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

विधायक बोले- जब ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को एजेंसी बनाया तो सीएमएचओ ने कैसे की खरीदी, नाराज सीएमएचओ ने लौटाई राशि

ईसागढ़ स्वास्थ्य केन्द्र में विधायक निधि से खरीदे गए मास्क की क्वालिटी को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ गया है

सीएमएचओ डॉ. जेआर त्रिवेदिया ने पत्रकार वार्ता में स्वास्थ्य विभाग को विधायक निधि से मिली राशि वापस कर दी है

नवप्रदेश संवाददाता

अशोकनगर। बुधवार को ईसागढ़ स्वास्थ्य केन्द्र में विधायक निधि से खरीदे गए मास्क की क्वालिटी को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ गया है। चंदेरी विधायक गोपाल सिंह चौहान के आरोपों पर सीएमएचओ डॉ. जेआर त्रिवेदिया ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में स्वास्थ्य विभाग को विधायक निधि से मिली राशि वापस कर दी है। जबकि दूसरी तरफ विधायक चौहान ने जो राशि दी थी उस राशि का पत्र जारी किया है जिसमें खरीदी एजेंसी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को बनाने का स्पष्ट उल्लेख किया है। इस मामले में विधायक चौहान का कहना है कि इस मामले को वे विधानसभा तक लेकर जाएंगे। वहीं उनका कहना है कि ईश्वर के बाद दूसरा रूप डॉक्टर का होता है। इस संकट की घड़ी में उनसे जितनी और मदद होगी वे इसके लिए सदैव आगे रहेंगे। उल्लेखनीय है कि विधायक चौहान ने अपनी विधायक निधि से 17 लाख 20 हजार रुपए की राशि जिले के सभी सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्रों को दी थी। जो मास्क खरीदे हैं उसकी मियाद दो से 4 घंटे की है। सैनिटाइजर की क्वालिटी भी बहुत अच्छी नहीं है। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को अलग-अलग राशि दी थी और इसकी एजेंसी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को बनाने का उल्लेख राशि जारी करते समय पत्र में किया था। फिर किस हैसियत से सीएमएचओ द्वारा खुद एजेंसी बनकर खरीदी की गई। इस मुद्दे को यहीं नहीं छोड़ूंगा। गलत इल्जाम लगाया है तो जवाब देना पड़ेगा। विधानसभा में इस मामले को उठाऊंगा। इस संकट की घड़ी में ईश्वर के बाद डॉक्टर की दूसरे भगवान हैं। मैने डॉक्टरों के सम्मान में कोई गलत बात नहीं की। मैं डॉक्टरों के साथ पूरे चिकित्सीय स्टाफ का बहुत सम्मान करता हूं। लेकिन अगर मैं गलत हूं तो विधानसभा से इस्तीफा दे दूंगा और सीएमएचओ गलत निकले तो वे नौकरी से इस्तीफा देकर घर बैठें। विधायक जी ने अपनी विधायक निधि से जो 17 लाख 20 हजार रुपए दिए थे उसको मैं वापस कर रहा हूं। .

कोरोना संकट कोरोना संकट से निपटने के लिए तीनों पूर्व मुख्यमंत्रियों से उनके सुझाव और सहयोग मांगा

सीएम शिवराज ने दिग्विजय सिंह, उमा भारती और कमलनाथ से फोन पर की बात की , मांगे सुझाव

मुख्यमंत्री चौहान ने तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को कोरोना संक्रमण की स्थिति और प्रदेश सरकार के प्रयासों के बारे में बताया

प्रदेश में अब तक 451 लोग संक्रमित हुए हैं और 36 मौतें हो चुकी हैं, संक्रमितों का आंकड़ा हर रोज बढ़ रहा है

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना संकट से निपटने के लिए तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों दिग्विजय सिंह, उमा भारती और कमलनाथ से फोन पर बातचीत की है। मुख्यमंत्री चौहान ने तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को कोरोना संक्रमण की स्थिति और प्रदेश सरकार के प्रयासों के बारे में बताया। फोन पर हुई बातचीत में शिवराज ने कोरोना संकट को लेकर सरकार की तैयारी के बारे में उन्हें बताया। इसके बाद उन्होंने कोरोना संकट को दूर करने के लिए सुझाव मांगा है। मध्य प्रदेश में अब तक 451 संक्रमित और 36 मौतें हो चुकी हैं। भोपाल से सटे विदिशा में एक दिन में 11 नए संक्रमित मिले हैं। इंदौर में गुरुवार को 22 नए संक्रमित मिले। वहां अब तक 235 संक्रमित और 26 मौतें हो चुकी हैं, भोपाल में 109 संक्रमित हो चुके हैं। यहां एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। राज्य सरकार के संक्रमण रोकने के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार ने 20 जिलों में जहां संक्रमित मिले, वहां की 46 बस्तियों को हॉटस्पॉट मानकर सील करने के आदेश दिए हैं।

कोरोना कोटा से मिलेगा 32 लाख गरीबों को राशन

इधर, कोरोना संकट के चलते प्रदेश के 32 लाख ऐसे व्यक्तियों को निश्शुल्क राशन प्रदान किया जाएगा, जिनके पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्रता पर्चियां नहीं हैं। इनमें वे लोग शामिल हैं, जो राज्य द्वारा निर्धारित 25 श्रेणियों में आते हैं और जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं। इन्हें एक माह का राशन राज्य सरकार के कोराना कोटे से दिया जाएगा। इसमें 4 किलो गेहूं एवं 1 किलो चावल प्रति व्यक्ति प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा भी 3 माह का निःशुल्क राशन प्रदान किया जाएगा। प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि 31 लाख 81 हजार 525 ऐसे व्यक्ति हैं, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत निर्धारित 25 पात्रता श्रेणियों में तो आते हैं, परंतु उन्हें वर्तमान में उचित मूल्य राशन प्राप्त करने की पात्रता नहीं है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 में प्रदेश में योजना के अंतर्गत पात्रता पर्चीधारियों की संख्या 5 करोड़ 46 लाख निर्धारित किए जाने से इन्हें पात्रता नहीं है, लेकिन राज्य के समग्र सामाजिक सुरक्षा पोर्टल पर इनका नाम दर्ज है।

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ नजदीकी कंट्रोल की दुकान से ले सकते हैं

ये सभी व्यक्ति सुविधानुसार अपने आस-पास की किसी भी उचित मूल्य दुकान से यह राशन ले सकेंगे। कोरोना संकट के मद्देनजर कलेक्टरों को कहा गया है कि वे राशन वितरण में सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सुरक्षात्मक उपायों का कड़ाई से पालन कराएं। हितग्राहियों से कहा गया है कि वे बारी-बारी से राशन प्राप्त करें तथा राशन दुकानों पर एक-दूसरे की बीच दूरी रखते हुए भीड़ न लगाएं।

विदिशा 5, गंजबासौदा 4, लटेरी और ग्यारसपुर में एक-एक नया कोरोना पॉजिटिव मिला, अब कुल 12 संक्रमित

विदिशा शहर के किला अंदर, चोपड़ा मोहल्ला, लोहंगीपुरा और स्वर्णकार कॉलोनी आदि क्षेत्रों में मिले मरीज, वहां किसी को आने-जाने की मनाही

संपर्क में आए लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है, बासौदा और सिरोंज में 1 कोरोना पॉजिटिव मरीज पहले ही मिल चुके हैं

नवप्रदेश संवाददाता

विदिशा। प्रदेश में कोरोनावायरस के कम्युनिटी ट्रांसमिशन के लक्षण दिखने लगे हैं। गुरुवार देर रात स्टेट वायरोलॉजी लैब भोपाल की रिपोर्ट में विदिशा शहर में 5 और गंजबासौदा शहर में 4 और लटेरी और ग्यारसपुर में एक- एक नया कोरोना पॉजिटिव मिला है। इससे पहले 8 अप्रैल को गंजबासौदा में 1 और सिरोंज में 6 अप्रैल को 1 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल चुका है। विदिशा जिले में अब तक 13 कोरोना पॉजिटिव मरीज हैं। जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री के आधार पर उनके संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। सीएमएचओ डॉ. केएस अहिरवार ने बताया कि विदिशा शहर में 5 नए कोरोना पॉजिटिव किला अंदर, चोपड़ा मोहल्ला, लोहंगीपुरा और स्वर्णकार कॉलोनी आदि क्षेत्रों के रहने वाले हैं। इन सभी मरीजों की रात में ही सर्चिंग करवाई गई। जो नए मरीज मिले हैं इनके सैंपल स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के लिए भोपाल भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पॉजिटिव मरीज मिलने का खुलासा हुआ है।

पूरे क्षेत्र को कैंटोनमेंट किया गया है

कलेक्टर डॉ. पंकज जैन का कहना है कि जिन जगह पर कोरोना के पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, उसको कैंटोनमेंट किया गया है। जहां किसी को आने जाने की मनाही रहेगी। प्रशासन ने आज से मास्क और चेहरे पर कपड़ा बांधकर ही घर से निकलने के आदेश जारी किए हैं। ऐसे माहौल के बीच संक्रमितों की पड़ताल करने घर-घर सर्वे कर रहा मैदानी अमला ही असुरक्षित है। सर्वे में जुटे मैदानी अमले को विभाग ने संक्रमण से बचाव के लिए पूरे साधन उपलब्ध नहीं कराए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com